

# India on mission to expand global engagement: Prez

STATESMAN NEWS SERVICE  
NEW DELHI, 16 FEBRUARY

India is on a mission to expand its global engagement taking advantage of its excellent manufacturing experience, high-quality talent and cutting-edge advanced technology attainments, President Droupadi Murmu declared today.

"There are many critical areas where international collaboration in engineering and technology would bring about changes to make the world a prosperous and safer place for the posterity," she said inaugurating the International Engineering and Technology Fair (IETF) 2023 in New Delhi. India, the president said, has significant potential to engage with the international markets. "Our commitment to clean energy has been driving our green growth. India has been marching ahead steadfastly to attain the net zero emission target in 2070," she added.

The president said that India has come a long way in the 48 years since



the first IETF, and the engineering industry has achieved new heights during this period. Today, it was a robust, multi-level, diversified segment of India's industry, playing a critical role in driving growth, creating jobs, and boosting exports.

"The policies adopted in the recent past have given a fillip to Rapid digitisation of its acceptance at th unleashed a new po created new patl growth," she added.

Noting that IET areas of emerging t

would have a profound impact on the country's economy and society, President Murmu said that there was no doubt that technology was going to change the way people live. "We should strive to use technology for social change. Any technology that confines itself to a section of people would gradually wither away. On the other hand, the technologies that change the lives of ordinary people in a positive manner get traction. The wide acceptance of the world's biggest digitisation drive in India was a prime example of the society readily embracing technologies that brought about positive changes in people's lives.

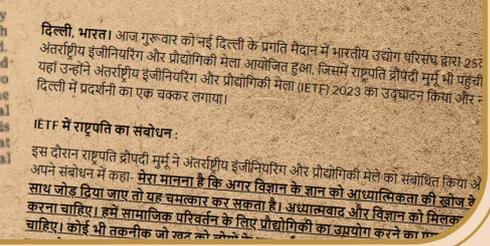
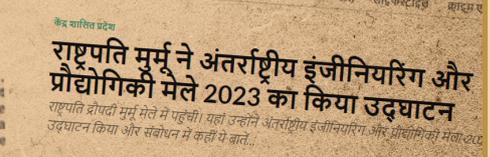
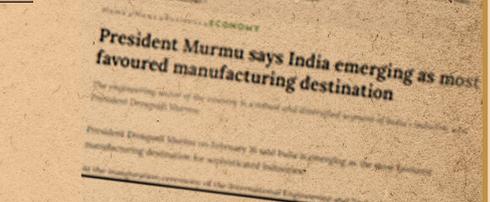
The president was happy to note that there was a determined attempt in IETF-2023 to showcase feats of engi-



Hon'ble President inaugurates International Engineering and Technology Fair 2023



President Droupadi Murmu interacting with a child at the fair.



International Engineering and Technology Fair

16 - 18 February 2023  
Pragati Maidan, New Delhi

## MEDIA COVERAGE DOSSIER

### India On Mission To Expand Global To Revolutionise Healthcare: Presi

India is emerging as the most favoured manufacturing destination for s  
Droupadi Murmu.



President Droupadi Murmu said on Thursday that India is on a mission to expand...

### India on mission to expand global engagement; AI to revolutionise healthcare: Prez Murmu

NEW DELHI, FEB 16 /-- President Droupadi Murmu on Thursday said India is on a mission to expand its global engagement taking advantage of its excellent manufacturing experience, high-quality talent and cutting-edge advanced technology attainments, Murmu said. She said artificial intelligence is going to revolutionise healthcare beyond recognition in times to come.

Similarly, industrial automation and robotics would dramatically transform manufacturing in a way that was inconceivable a decade back, Murmu noted. Pointing out that importance of technology in healthcare cannot be overestimated

as the world is seemingly coming out of a great crisis that was Covid-19, Murmu said this area will continue to be a priority in the coming years. The President observed that policies adopted in the recent past have given fillip to an unprecedented inclusive growth.

Rapid digitisation of the economy and its acceptance at the social level has unleashed a new potential which has created new pathways for high growth, Murmu said.

From highly sophisticated areas like defence, aerospace to manufacturing of mobile phones, India has been emerging as the most favoured destination, she emphasized, and added that India has significant potential to engage with the international markets.

"Our commitment to clean energy has been driving our green growth which is internationally appreciated. India has to attain the net zero emission target in 2070," said the President. The International Engineering and Technology Fair is being held from February 16-18 at Pragati Maidan, in the national capital. (PTI)

दिल्ली, भारत। आज गुरुवार को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में भारतीय उद्योग परिषद द्वारा 25वें अंतर्राष्ट्रीय इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी मेले का आयोजित हुआ, जिसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी पहुंचीं यहां उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी मेले (IETF) 2023 का उद्घाटन किया और नई दिल्ली में प्रदर्शनी का एक चक्कर लगाया।

IETF में राष्ट्रपति का संबोधन: इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अंतर्राष्ट्रीय इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी मेले का संबोधित किया और अपने संबोधन में कहा- मेरा मानना है कि अगर विज्ञान के ज्ञान को आध्यात्मिकता की खोज के साथ जोड़ दिया जाए तो यह चमत्कार कर सकता है। अध्यात्मवाद और विज्ञान को मिलकर करना चाहिए। हम सामाजिक परिवर्तन के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने का मा... चाहिए। कोई भी तकनीक जो खरब करोड़ों लोगों के...

# **Print Coverage**

# Govt to identify mineral blocks in sea: Secretary

The government is in the process of identifying mineral blocks like nickel in the sea and would gradually put them on sale, mines secretary Vivek Bharadwaj said on Friday. The mines ministry is amending the Offshore Areas Mineral (Development and Regulation) Act, 2002 and has sought the stakeholders' views on the same. He said as there were no stakes in there, the auction will be done by the government of India. "That will also be a huge opportunity for industry," he explained.

PTI

## **समुद्र में खनिजों के भंडार की तलाश में जुटी सरकार**

नई दिल्ली। खान मंत्रालय में सचिव विवेक भारद्वाज ने शुक्रवार को कहा कि सरकार निकेल जैसे खनिजों के भंडार की समुद्री क्षेत्र में तलाश में जुटी हुई है और आगे चलकर इन भंडारों की बिक्री भी की जाएगी। खान मंत्रालय ने अपतटीय क्षेत्र खनिज विकास एवं नियमन अधिनियम, 2002 में संशोधन के लिए हितधारकों से इस पर राय मांगी है। भारद्वाज ने यहां उद्योग मंडल सीआईआई के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, महत्वपूर्ण खनिजों के अधिक महत्वपूर्ण होते जाने से ऐसी सोच ने जन्म लिया है कि हम समुद्री क्षेत्र में इनका खनन क्यों नहीं कर रहे। उन्होंने बताया कि दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम समुद्री खनिज का खनन नहीं कर पा रहे हैं।

## समुद्र में महत्वपूर्ण खनिजों के भंडार की तलाश में जुटी सरकार : सचिव

नई दिल्ली, (भाषा)। खान मंत्रालय में सचिव विवेक भारद्वाज ने शुक्रवार को कहा कि सरकार निकेल जैसे खनिजों के भंडार की समुद्री क्षेत्र में तलाश में जुटी हुई है और आगे चलकर इन भंडारों की बिक्री भी की जाएगी। खान मंत्रालय ने अपतटीय क्षेत्र खनिज विकास एवं नियमन अधिनियम, 2002 में संशोधन के लिए हितधारकों से इस पर राय मांगी है। भारद्वाज ने यहां उद्योग मंडल सीआईआई के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'महत्वपूर्ण खनिजों के अधिक महत्वपूर्ण होते जाने से ऐसी सोच ने जन्म लिया है कि हम समुद्री क्षेत्र में इनका खनन क्यों नहीं कर रहे। दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम समुद्री खनिज का खनन नहीं कर पा रहे हैं। अब हम इस कानून को संशोधित कर रहे हैं और इस बारे में सभी हितधारक अपनी राय दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि खान मंत्रालय समुद्री इलाके में महत्वपूर्ण

खनिजों को चिह्नित करने की प्रक्रिया में लगा हुआ है। इस प्रक्रिया में किसी अन्य पक्ष के हितधारक नहीं होने से भारत सरकार इस खनिज भंडार की नीलामी करेगी। खान सचिव ने इसे उद्योग जगत के लिए एक बड़ा मौका बताते हुए कहा, 'यह एकदम अलग तरह का कारोबारी परिचालन होगा। तांबा, लिथियम, निकेल, कोबाल्ट एवं दुर्लभ पृथ्वी तत्वों जैसे महत्वपूर्ण खनिज आज की स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी वाले दौर में बेहद जरूरी घटक है। इनका इस्तेमाल पवन चक्कियों से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों तक में होता है। भारद्वाज ने कहा कि एल्युमिनियम एवं अन्य धातुओं की रिसाइक्लिंग (दोबारा इस्तेमाल) भारत को आत्म-निर्भर बनने के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने उद्योग जगत से रिसाइक्लिंग गतिविधियों में भी शामिल होने का अनुरोध किया।

## समुद्र में महत्वपूर्ण खनिजों के भंडार की तलाश में जुटी सरकार

नई दिल्ली (भाषा)। खान मंत्रालय में सचिव विवेक भारद्वाज ने शुक्रवार को कहा कि सरकार निकेल जैसे खनिजों के भंडार की समुद्री क्षेत्र में तलाश में जुटी हुई है और आगे चलकर इन भंडारों की विक्री भी की जाएगी। खान मंत्रालय ने अपतटीय क्षेत्र खनिज विकास एवं नियमन अधिनियम, 2002 में संशोधन के लिए हितधारकों से इस पर राय मांगी है।

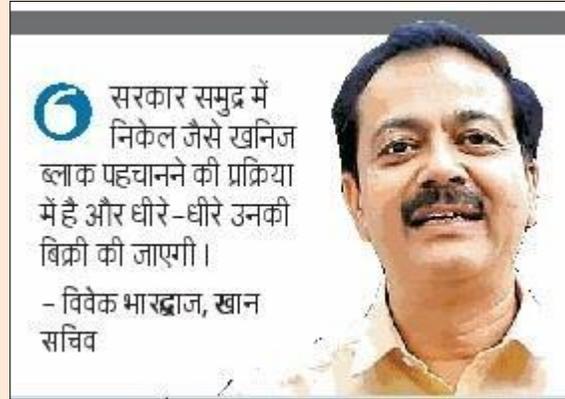
भारद्वाज ने यहां उद्योग मंडल सीआईआई के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'महत्वपूर्ण खनिजों के अधिक महत्वपूर्ण होते जाने से ऐसी सोच ने जन्म लिया है कि हम समुद्री क्षेत्र में इनका खनन क्यों नहीं कर रहे। दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम समुद्री खनिज का खनन नहीं कर पा रहे हैं। अब हम इस कानून को संशोधित कर रहे हैं और इस वारे में सभी हितधारक अपनी राय दे सकते हैं।' उन्होंने कहा कि खान मंत्रालय समुद्री इलाके में महत्वपूर्ण खनिजों को चिह्नित करने की प्रक्रिया में लगा हुआ है। इस प्रक्रिया में किसी अन्य पक्ष के हितधारक नहीं होने से भारत सरकार इस खनिज भंडार की नीलामी करेगी।

खान सचिव ने इसे उद्योग जगत के लिए बड़ा मौका बताते हुए कहा, 'यह एकदम अलग तरह का कारोवारी परिचालन होगा।' तांबा, लिथियम, निकेल, कोबाल्ट एवं दुर्लभ पृथ्वी तत्वों जैसे महत्वपूर्ण खनिज आज की स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी वाले दौर में वेहद जरूरी घटक हैं। इनका इस्तेमाल पवन चक्कियों से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों तक में होता है।

## समुद्र में खनिजों के भंडार तलाशने में जुटी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। खान मंत्रालय में सचिव विवेक भारद्वाज ने शुक्रवार को कहा कि सरकार निकेल जैसे खनिजों के भंडार की समुद्री क्षेत्र में तलाश में जुटी है और आगे चलकर इन भंडारों की बिक्री भी की जाएगी।

खान मंत्रालय ने अपतटीय क्षेत्र खनिज विकास एवं नियमन अधिनियम, 2002 में संशोधन के लिए हितधारकों से इस पर राय मांगी है। भारद्वाज ने कहा, मंत्रालय समुद्री इलाके में खनिजों को चिह्नित करने की प्रक्रिया में लगा हुआ है।



# Secy: Mines Min in process of identifying mineral blocks in sea

## OUR CORRESPONDENT

**NEW DELHI:** The government is in the process of identifying mineral blocks like nickel in the sea and would gradually put them on sale, mines secretary Vivek Bharadwaj said on Friday.

The mines ministry is amending the Offshore Areas Mineral (Development and Regulation) Act, 2002 and has sought the stakeholders' views on the same.

"Because the critical minerals are becoming even more critical, there is this thought that why are we not mining in the oceans...Unfortunately we have not been able to mine the oceans. Now we are amending the Act. It is in public domain, open for comments for the industry, the stakeholders," the mines secretary said during Metal & Metallurgy Expo-2023 organised by CII.

The ministry, he said, is in the process of identifying these

blocks in the sea and as there are no stakes in there, the auction will be done by the government of India.

"That will also be a huge opportunity for industry, a totally new area of operations," he explained.

Critical minerals such as copper, lithium, nickel, cobalt and rare earth elements are essential components in many of today's rapidly growing clean energy technologies — from wind turbines and electricity networks to electric vehicles.

The mines secretary further said that recycling of metals, including aluminium, is extremely important for India to be self reliant.

The level of recycling in India for aluminium is about 30 per cent whereas globally it is more than 90 per cent. The figures are similar for copper and other metals also. Bharadwaj urged the industry to also get into organised recycling space.

## **INDIA TO EXPLORE MINERALS UNDER SEA: SECRETARY**

New Delhi, Feb. 17: The government is in the process of identifying mineral blocks like nickel in the sea and would gradually put them on sale, mines secretary Vivek Bharadwaj said on Friday.

The mines ministry is amending the Offshore Areas Mineral (Development and Regulation) Act, 2002 and has sought the stakeholders' views on the same.

"Because the critical minerals are becoming even more critical, there is this thought that why are we not mining in the oceans...Unfortunately we have not been able to mine the oceans. Now we are amending the Act. It is in public domain, open for comments for the industry, the stakeholders," the secretary said.

The ministry, he said, is in the process of identifying the blocks in the sea, which be auctioned by the government. — PTI

## समुद्र में खनिजों के भंडार की तलाश में जुटी सरकार : सचिव

नई दिल्ली, 17 फरवरी (भाषा)।

खान मंत्रालय में सचिव विवेक भारद्वाज ने शुक्रवार को कहा कि सरकार निकेल जैसे खनिजों के भंडार की समुद्री क्षेत्र में तलाश में जुटी हुई है और आगे चलकर इन भंडारों की बिक्री भी की जाएगी। खान मंत्रालय ने अपतटीय क्षेत्र खनिज विकास एवं नियमन अधिनियम, 2002 में संशोधन के लिए हितधारकों से इस पर राय मांगी है। भारद्वाज ने यहां उद्योग मंडल सीआइआइ के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'महत्वपूर्ण खनिजों के अधिक महत्वपूर्ण होते जाने से ऐसी सोच ने जन्म लिया है कि हम समुद्री क्षेत्र में इनका खनन क्यों नहीं कर रहे। दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम समुद्री खनिज का खनन नहीं कर पा रहे हैं। अब हम इस कानून को संशोधित कर रहे हैं और इस बारे में सभी हितधारक अपनी राय दे सकते हैं।' उन्होंने कहा कि खान मंत्रालय समुद्री इलाके में महत्वपूर्ण खनिजों को चिह्नित करने की प्रक्रिया में लगा हुआ है। इस प्रक्रिया में किसी अन्य पक्ष के हितधारक नहीं होने से भारत सरकार इस खनिज भंडार की नीलामी करेगी। खान सचिव ने इसे उद्योग जगत के लिए एक बड़ा मौका बताया।

## India on mission to expand global engagement; AI to revolutionise healthcare: Prez Murmu

NEW DELHI, FEB 16 /--/ President Droupadi Murmu on Thursday said India is on a mission to expand its global engagement taking advantage of its excellent manufacturing capabilities, high-quality talent and cutting-edge advanced technology attainments. Addressing the International Engineering and Technology Fair organised by CII, she said there are many critical areas where international collaboration in engineering and technology will bring about changes to make the world a prosperous and safer place for the posterity.

"India is on a mission to expand its global engagement taking advantage of its excellent manufacturing experience, high-quality talent and cutting-edge advanced technology attainments," Murmu said. She said artificial intelligence is going to revolutionise healthcare beyond recognition in times to come.

Similarly, industrial automation and robotics would dramatically transform manufacturing in a way that was inconceivable a decade back, Murmu noted. Pointing out that importance of technology in healthcare cannot be overestimated

as the world is seemingly coming out of a great crisis that was Covid-19, Murmu said this area will continue to be a priority in the coming years. The President observed that policies adopted in the recent past have given fillip to an unprecedented inclusive growth.

Rapid digitisation of the economy and its acceptance at the social level has unleashed a new potential which has created new pathways for high growth, Murmu said.

From highly sophisticated areas like defence, aerospace to

manufacturing of mobile phones, India has been emerging as the most favoured destination, she emphasized, and added that India has significant potential to engage with the international markets.

"Our commitment to clean energy has been driving our green growth which is internationally appreciated. India has been marching ahead steadfastly to attain the net zero emission target in 2070," said the President. The International Engineering and Technology Fair is being held from February 16-18 at Pragati Maidan, in the national capital. (PTI)

## प्रौद्योगिकी का प्रयोग करें

हमें सामाजिक परिवर्तन के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग का प्रयास करना चाहिए। कोई भी तकनीक जो एक वर्ग तक सीमित रखती है, वह खत्म हो जाएगी। सामान्य लोगों के जीवन को सकारात्मक तरीके से बदलने वाली प्रौद्योगिकियाँ आकर्षण प्राप्त करती हैं।  
-दौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति



# भारत प्रौद्योगिकी के बल पर वैश्विक जुड़ाव बढ़ाने के मिशन पर : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 16 फरवरी (भाषा)।

भारत अपनी उत्कृष्ट विनिर्माण क्षमताओं, उच्च गुणवत्ता वाली प्रतिभा और अत्याधुनिक उन्नत प्रौद्योगिकी के बल पर वैश्विक जुड़ाव का विस्तार करने के मिशन पर है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यह बात कही। उन्होंने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआइआइ) द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी मेले को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं, जहां इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में अंतरराष्ट्रीय सहयोग से दुनिया में

समृद्धि लाई जा सकती है। राष्ट्रपति ने कहा कि आने वाली पीढ़ी के लिए धरती को सुरक्षित स्थान बनाने के लिए ये बदलाव जरूरी हैं।

मुर्मू ने कहा, 'भारत अपनी उत्कृष्ट विनिर्माण क्षमता, उच्च गुणवत्ता वाली प्रतिभा और अत्याधुनिक उन्नत प्रौद्योगिकी के बल पर अपने वैश्विक जुड़ाव का विस्तार करने के मिशन पर है।' उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआइ) आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवा में क्रांति लाने जा रही है। इसी तरह औद्योगिक स्वचालन और रोबोटिक्स विनिर्माण को आश्चर्यजनक रूप से बदल देंगे। यह

बदलाव ऐसा होगा, जिसके बारे में एक दशक पहले सोचा नहीं जा सकता था। मुर्मू ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा में प्रौद्योगिकी के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता है। यह क्षेत्र आने वाले वर्षों में प्राथमिकता बना रहेगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि हाल के दिनों में अपनाई गई नीतियों ने अभूतपूर्व समावेशी वृद्धि को बढ़ावा दिया है। मुर्मू ने कहा कि अर्थव्यवस्था के तेजी से डिजिटल होने और सामाजिक स्तर पर इसकी स्वीकृति ने एक नई क्षमता को जन्म दिया है, जिससे उच्च वृद्धि के रास्ते खुले हैं।

## INDIA ON MISSION TO EXPAND GLOBAL ENGAGEMENT

# Artificial Intelligence to revolutionise healthcare: Prez

**PNS ■ NEW DELHI**

President Droupadi Murmu on Thursday said India is on a mission to expand its global engagement taking advantage of its excellent manufacturing capabilities, high-quality talent and cutting-edge advanced technology attainments.

Addressing the International Engineering and Technology Fair organised by CII, she said there are many critical areas where international collaboration in engineering and technology will bring about changes to make the world a prosperous and safer place for the posterity.

"India is on a mission to expand its global engagement taking advantage of its excellent manufacturing experience, high-quality talent and cutting-edge advanced technology attainments," Murmu



said. She said artificial intelligence is going to revolutionise healthcare beyond recognition in times to come.

Similarly, industrial automation and robotics would dramatically transform manufacturing in a way that was inconceivable a decade back, Murmu noted.

Pointing out that importance of technology in healthcare cannot be overestimated as the world is seemingly coming out of a great crisis that was

Covid-19, Murmu said this area will continue to be a priority in the coming years.

The President observed that policies adopted in the recent past have given fillip to an unprecedented inclusive growth.

Rapid digitisation of the economy and its acceptance at the social level has unleashed a new potential which has created new pathways for high growth, Murmu said.

From highly sophisticated areas like defence, aerospace to manufacturing of mobile phones, India has been emerging as the most favoured destination, she emphasized, and added that India has significant potential to engage with the international markets.

"Our commitment to clean energy has been driving our green growth which is internationally appreciated."

# वैश्विक जुड़ाव बढ़ाने के मिशन पर है भारत



नई दिल्ली (भाषा)। भारत अपनी उत्कृष्ट विनिर्माण क्षमताओं, उच्च गुणवत्ता वाली प्रतिभा और अत्याधुनिक उन्नत प्रौद्योगिकी के बल पर वैश्विक जुड़ाव का विस्तार करने के मिशन पर है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वृहस्पतिवार को यह बात कही। उन्होंने भारतीय उद्योग परिषद (सीआईआई) द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी मेले को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं, जहां इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में अंतरराष्ट्रीय सहयोग से दुनिया में समृद्धि लाई जा सकती है। राष्ट्रपति ने कहा कि आने वाली पीढ़ी के लिए धरती को सुरक्षित स्थान बनाने के लिए ये बदलाव जरूरी हैं।

मुर्मू ने कहा, 'भारत अपनी उत्कृष्ट विनिर्माण क्षमता, उच्च गुणवत्ता वाली प्रतिभा और अत्याधुनिक उन्नत प्रौद्योगिकी के बल पर अपने वैश्विक जुड़ाव का विस्तार करने के मिशन पर है।' उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवा में क्रांति लाने जा रही है। इसी तरह औद्योगिक स्वचालन और रोबोटिक्स विनिर्माण को आश्चर्यजनक रूप से बदल देंगे। यह बदलाव ऐसा होगा, जिसके बारे में एक दशक पहले सोचा नहीं जा सकता था। मुर्मू ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा में प्रौद्योगिकी के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता है। यह क्षेत्र आने वाले वर्षों में प्राथमिकता बना रहेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि हाल के दिनों में अपनाई गई नीतियों ने अभूतपूर्व समावेशी वृद्धि को बढ़ावा दिया है।

## India on mission to expand global engagement: Prez

**STATESMAN NEWS SERVICE**  
NEW DELHI, 16 FEBRUARY

India is on a mission to expand its global engagement taking advantage of its excellent manufacturing experience, high-quality talent and cutting-edge advanced technology attainments, President Droupadi Murmu declared today.

"There are many critical areas where international collaboration in engineering and technology would bring about changes to make the world a prosperous and safer place for the posterity," she said inaugurating the International Engineering and Technology Fair (IETF) 2023 in New Delhi. India, the president said, has significant potential to engage with the international markets. "Our commitment to clean energy has been driving our green growth. India has been marching ahead steadfastly to attain the net zero emission target in 2070," she added.

The president said that India has come a long way in the 48 years since



the first IETF, and the engineering industry has achieved new heights during this period. Today, it was a robust, multi-level, diversified segment of India's industry, playing a critical role in driving growth, creating jobs, and boosting exports.

"The policies adopted in the recent past have given a fillip to unprecedented inclusive growth. Rapid digitisation of the economy and its acceptance at the social level has unleashed a new potential which has created new pathways for high growth," she added.

Noting that IETF-2023 covers 11 areas of emerging technologies that

would have a profound impact on the country's economy and society, President Murmu said that there was no doubt that technology was going to change the way people live. "We should strive to use technology for social change. Any technology that confines itself to a section of people would gradually wither away. On the other hand, the technologies that change the lives of ordinary people in a positive manner get traction. The wide acceptance of the world's biggest digitisation drive in India was a prime example of the society readily embracing technologies that brought about positive changes in people's lives.

The president was happy to note that there was a determined attempt in IETF-2023 to showcase feats of engineering and technologies that promote harmony between nature and science. She said that human ingenuity should be put to its best use when it was oriented to nourish nature. She said that if the knowledge of science was combined with the pursuit of spirituality, it could do miracles.

## भारत वैश्विक जुड़ाव बढ़ाने के मिशन पर, एआई से स्वास्थ्य सेवा में होगी क्रांति: मुर्मू

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत अपनी उत्कृष्ट विनिर्माण क्षमताओं, उच्च गुणवत्ता वाली प्रतिभा और अत्याधुनिक उन्नत प्रौद्योगिकी के बल पर वैश्विक जुड़ाव का विस्तार करने के मिशन पर है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। उन्होंने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी मेले को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं, जहां इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में अंतरराष्ट्रीय सहयोग से दुनिया में समृद्धि लाई जा सकती है। राष्ट्रपति ने कहा कि आने वाली पीढ़ी के लिए धरती को सुरक्षित स्थान बनाने के लिए ए बदलाव जरूरी है। मुर्मू ने कहा, भारत अपनी उत्कृष्ट विनिर्माण क्षमता, उच्च गुणवत्ता वाली प्रतिभा और अत्याधुनिक उन्नत प्रौद्योगिकी के बल पर अपने वैश्विक जुड़ाव का विस्तार करने के मिशन पर है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवा में क्रांति लाने जा रही है। इसी तरह औद्योगिक स्वचालन और रोबोटिक्स विनिर्माण को आश्चर्यजनक रूप से बदल देंगे।



यह बदलाव ऐसा होगा, जिसके बारे में एक दशक पहले सोचा नहीं जा सकता था। मुर्मू ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा में प्रौद्योगिकी के महत्व को कम कस्के नहीं आंका जा सकता है। यह क्षेत्र आने वाले वर्षों में प्राथमिकता बना रहेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि हाल के दिनों में अपनाई गई नीतियों ने अभूतपूर्व समावेशी वृद्धि को बढ़ावा दिया है मुर्मू ने कहा कि अर्थव्यवस्था के तेजी से डिजिटल होने और सामाजिक स्तर पर इसकी स्वीकृति ने एक नई क्षमता को जन्म दिया है, जिससे उच्च वृद्धि के रास्ते खुले हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत में अंतरराष्ट्रीय बाजारों के साथ जुड़ने की महत्वपूर्ण क्षमता है। राष्ट्रीय राजधानी के प्रगति मैदान में 16-18 फरवरी तक अंतरराष्ट्रीय इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी मेला का आयोजन किया जा रहा है।

# **ONLINE COVERAGE**

Headline: India on mission to expand global  
engagement; AI to revolutionise healthcare:  
President

www.ptinews.com

Date : February 17 2023

<https://www.ptinews.com/news/national/india-on-mission-to-expand-global-engagement-ai-to-revolutionise-healthcare-president/515387.html>

New Delhi, Feb 16 (PTI) President Droupadi Murmu on Thursday said India is on a mission to expand its global engagement taking advantage of its excellent manufacturing capabilities, high-quality talent and cutting-edge advanced technology attainments.

She observed that India is emerging as the most favoured manufacturing destination for sophisticated industries.

"From highly sophisticated areas like defence, aerospace to manufacturing of mobile phones, India has been emerging as the most favoured destination," said the president.

**Headline: Prez Murmu inaugurates International Engineering and Technology Fair 2023** [www.business-standard.com](http://www.business-standard.com)

Date : February 17 2023

[https://www.business-standard.com/article/current-affairs/prez-murmu-inaugurates-international-engineering-and-technology-fair-2023-123021600909\\_1.html](https://www.business-standard.com/article/current-affairs/prez-murmu-inaugurates-international-engineering-and-technology-fair-2023-123021600909_1.html)

Prez Murmu inaugurates International Engineering and Technology Fair 2023

She said India is on a mission to expand its global engagement taking advantage of its excellent manufacturing experience, high-quality talent and cutting-edge advanced technology attainments

President Droupadi Murmu on Thursday inaugurated the International Engineering and Technology Fair (IETF) 2023 in New Delhi. The event is being held from February 16-18 at Pragati Maidan.

Addressing the International Engineering and Technology Fair organised by the Confederation of Indian Industry (CII), she said this event is not only a celebration of India's growth story in the engineering and manufacturing sectors but also a testimony to the nation's collaboration with the best in the world in advanced technologies

Headline: India on mission to expand global  
engagement; AI to revolutionise healthcare:  
President

www.livemint.com

Date : February 17 2023

<https://www.livemint.com/news/india/india-on-mission-to-expand-global-engagement-with-cutting-edge-tech-president-murmu-11676546743600.html>

Prez Murmu inaugurates International Engineering and Technology Fair 2023

She said India is on a mission to expand its global engagement taking advantage of its excellent manufacturing experience, high-quality talent and cutting-edge advanced technology attainments

President Droupadi Murmu on Thursday inaugurated the International Engineering and Technology Fair (IETF) 2023 in New Delhi. The event is being held from February 16-18 at Pragati Maidan.

Addressing the International Engineering and Technology Fair organised by the Confederation of Indian Industry (CII), she said this event is not only a celebration of India's growth story in the engineering and manufacturing sectors but also a testimony to the nation's collaboration with the best in the world in advanced technologies

Headline: India on mission to expand global  
engagement; AI to revolutionise healthcare:  
President Droupadi Murmu

economictimes.indiatimes.com

Date : February 17 2023

<https://economictimes.indiatimes.com/news/india/india-on-mission-to-expand-global-engagement-ai-to-revolutionise-healthcare-president-droupadi-murmu/articleshow/97986725.cms>

President Droupadi Murmu on Thursday said India is on a mission to expand its global engagement taking advantage of its excellent manufacturing capabilities, high-quality talent and cutting-edge advanced technology attainments. She observed that India is emerging as the most favoured manufacturing destination for sophisticated industries.

"From highly sophisticated areas like defence, aerospace to manufacturing of mobile phones, India has been emerging as the most favoured destination," said the president.

She asserted that the policies adopted in the recent past have given fillip to an unprecedented inclusive growth and noted that the nation has significant potential to engage with the international market.

Headline: President Murmu says India emerging as most favoured manufacturing destination [www.moneycontrol.com](http://www.moneycontrol.com)

Date : February 17 2023

<https://www.moneycontrol.com/news/business/economy/president-murmu-says-india-emerging-as-most-favoured-manufacturing-destination-10101171.html>

President Droupadi Murmu on February 16 said India is emerging as the most favoured manufacturing destination for sophisticated industries.

At the inauguration ceremony of the International Engineering and Technology Fair (IETF) 2023, Murmu said the country is emerging as the most favoured destination for areas including defence, aerospace and manufacturing of mobile phones.

She added that the engineering sector of the country today is a “robust, multi-level, diversified segment of India’s industry, playing a critical role in driving growth, creating jobs, and boosting exports.”

The President also emphasised India’s journey towards green energy. She said that India’s commitment to clean energy has been driving its green growth, which has been internationally appreciated.

Headline: India on mission to expand global engagement, AI to revolutionise healthcare: Murmu

psuwatch.com

Date : February 17 2023

<https://psuwatch.com/national-news/india-on-mission-to-expand-global-engagement-ai-to-revolutionise-healthcare-murmu>

President Droupadi Murmu on February 16 said India is emerging as the most favoured manufacturing destination for sophisticated industries.

At the inauguration ceremony of the International Engineering and Technology Fair (IETF) 2023, Murmu said the country is emerging as the most favoured destination for areas including defence, aerospace and manufacturing of mobile phones.

She added that the engineering sector of the country today is a “robust, multi-level, diversified segment of India’s industry, playing a critical role in driving growth, creating jobs, and boosting exports.”

The President also emphasised India’s journey towards green energy. She said that India’s commitment to clean energy has been driving its green growth, which has been internationally appreciated.

Date : February 17 2023

<https://www.communicationstoday.co.in/ai-to-revolutionise-healthcare-robotics-to-transform-manufacturing/>

President Droupadi Murmu on February 16 said India is emerging as the most favoured manufacturing destination for sophisticated industries.

At the inauguration ceremony of the International Engineering and Technology Fair (IETF) 2023, Murmu said the country is emerging as the most favoured destination for areas including defence, aerospace and manufacturing of mobile phones.

She added that the engineering sector of the country today is a “robust, multi-level, diversified segment of India’s industry, playing a critical role in driving growth, creating jobs, and boosting exports.”

The President also emphasised India’s journey towards green energy. She said that India’s commitment to clean energy has been driving its green growth, which has been internationally appreciated.

Headline: AI to revolutionize Healthcare; and  
Robotics to revolutionize Manufacturing

bqprime.com

Date : February 17 2023

<https://www.bqprime.com/business/india-on-mission-to-expand-global-engagement-ai-to-revolutionise-healthcare-president>

President Droupadi Murmu said on Thursday that India is on a mission to expand its global engagement by taking advantage of its excellent manufacturing capabilities, high-quality talent and cutting-edge advanced technology attainments. She observed that India is emerging as the most-favoured manufacturing destination for sophisticated industries.

Addressing the International Engineering and Technology Fair organised by the CII, she said there are many critical areas where international collaboration in engineering and technology will bring about changes to make the world a prosperous and safer place for the posterity. "India is on a mission to expand its global engagement, taking advantage of its excellent manufacturing experience, high-

Headline: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई  
दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय इंजीनियरिंग  
और प्रौद्योगिकी मेला 2023 का उद्घाटन ... -

hindi.latestly.com

Latest Tweet by IANS Hindi

Date : February 17 2023

<https://hindi.latestly.com/socially/india/president-draupadi-murmu-inaugurates-international-engineering-technology-fair-2023-in-new-delhi-1702366.html>

(SocialLY के साथ पाएँ लैटैस्ट ब्रेकिंग न्यूज, वायरल टेंड और सोशल मीडिया की दुनिया से जुड़ी सभी खबरें. यहां आपको किट्टर, इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर वायरल हो रहे वाले हर कंटेंट की सीधी जािकारी कमलेगी. ऊपर कदखाया गयापोस्ट अिक्वडेटेड कंटेंट है, कजसे सीधे सोशल मीडिया यूजस के अकाउंट से कलया गया है. लैटैस्टली स्टाफ द्वारा इसमें कोई बदलाव या एडिटिहीं ककया गया है. सोशल मीडिया पोस्ट लैटैस्टली के क्वचारों और भावियों का प्रकिकथव िहीं करि है, हम इस पोस्ट में मौजूद ककसी भी कंटेंट के कलए कोई कजम्मेदारी या दाकयत्व स्वीकार िहीं करि हैं.)

**Headline : Hon'ble President Of India, [everythingexperiential.businessworld.in](http://everythingexperiential.businessworld.in)  
Droupadi Murmu To Inaugurate CII's 25th  
Edition of IETF**

Date : February 17 2023

<http://everythingexperiential.businessworld.in/article/Hon-ble-President-Of-India-Droupadi-Murmu-To-Inaugurate-CII-s-25th-Edition-of-IETF/16-02-2023-465837/>

The Confederation of Indian Industry (CII) in collaboration with Finland Chamber of Commerce in India, NSIC and different government ministries will organise the 25th edition of the International Engineering & Technology Fair (IETF) from 16th to 18th February at Pragati Maidan, New Delhi. Hon'ble President of India, Smt Droupadi Murmu will inaugurate the event in the august presence of Dr Mahendra Nath Pandey, Hon'ble Minister of Heavy Industries and Public Enterprises, who will be the Guest of Honour at the inaugural ceremony. The three-day event will witness the presence of industry leaders, policymakers, technology experts, diplomats, government delegates and others.

IETF 2023 will also see the participation of over 400 companies from across the globe and Finland will be the focus country at the event this year. This will provide an opportunity for participants to expand their global network by developing new relationships with thousands of delegates.

The event will also showcase Make in India products to the globe, that bears testimony to India's capabilities in manufacturing world-class products. Besides, it will exhibit innovations through focused and concurrent shows in select industry sectors, including Advanced Building Technologies, Artificial Intelligence (AI), Capital Machinery, Digital Gaming, Fluid Power, Factory & Plant Maintenance, Healthcare, Industrial Automation & Robotics, Modern Logistics Solutions, Metal and Metallurgy and Water & Solid Waste Management. Companies from India and overseas would display the latest products and technologies in exclusive pavilions at the venue.

Headline : स्वच्छ ऊजा को लेकर हमारी  
प्रतिबद्धिा हमारे हररि तिकास की  
संचालक: राष्ट्रपति द्रौपदी मुमु

Domain : <https://news85.in/>

Date : Feb 16, 2023

<https://news85.in/%E0%A4%B8%E0%A5%8D%E0%A4%B5%E0%A4%9A%E0%A5%8D%E0%A4%9B-%E0%A4%8A%E0%A4%B0%E0%A5%8D%E0%A4%9C%E0%A4%BE-%E0%A4%95%E0%A5%8B-%E0%A4%B2%E0%A5%87%E0%A4%95%E0%A4%B0-%E0%A4%B9%E0%A4%AE%E0%A4%BE%E0%A4%B0/>

ियी कदली, राष्ट्रपति द्रौपदी मुमु िे गुरुवार को राजधािी में अंिरराीय इंजीकियररंग और प्रौद्योगकी मिला (आईटीएफ), 2023 का उद्घाटि ककया और कहा कक 'स्वच्छ ऊजा को लेकर हमारी प्रतिबद्धिा हमारे हररि तिकास को संचालक कर रही है।'

राष्ट्रपति सकचवालय की एक कववृत्ति के अिसार श्रीमिी मुमु िे इस अवसर पर कहा, " भारि के पास अंिरराीय बाजारों के साथ जुड़िे की क्वकशर् क्षमिा है। स्वच्छ ऊजा को लेकर हमारी प्रतिबद्धिा हमारे हररि तिकास को संचालक कर रही है। भारि साल 2070 में शुद्ध शून्य उत्सजि लक्ष को प्राि करिे की कदशा में लगािार आगे बढ़ रहा है।"

राष्ट्रपति िे कहा कक भारि अपिे उक् ए कवकमिाण अिसुभव, उच्च गुणवत्ता वाली क्किभा और अत्याधुनिक उन्नि किकिीकी

उपलपतियों का लाभ उठािे हुए अपिे वैकिक जुड़ाव का त्वस्तार करिे के कमशि पर है।

उन्ोिे कहा कक ऐसे कई

महत्वपूण क्षेत्र हैं, जहां इंजीकियररंग और प्रौद्योगकी में अंिरराीय सहयोग क्ववष में क्वि को एक समृद्ध और सुरकक्षि जगह बिािे के कलए बदलाव लाएगा।

उन्ोिे कहा " किकिीक हमारे जीिे के िरिीके को बदलिे जा रही है पर हमें सामाकजक पररवृि के कलए प्रौद्योगकी का

उपयोग करिे का प्रयास करिा चाहए। कोई भी प्रौद्योगकी जो खुद को लोगों के एक समूह किक सीकमि रखिी है, वह धीरे-धीरे खतम हो जाएगी। दूर सरी ओर, सामान्य लोगों के जीवि को सकारात्मक िरिीके से बदलिे वाली प्रौद्योगकीकयां अपिी पकड़ बिािी हैं।"

राष्ट्रपति द्रौपदी मुमु िे कहा कक भारि में वि के सबसे बड़े कककजटलीकरण अकभयाि की व्यापक स्वीकृ कि समाज की ओर से लोगों के जीवि में सकारात्मक बदलाव लािे वाली किकिीकों को आसािी से अपिािे का एक प्रमुख उदाहरण है।

राष्ट्रपति िे इसका उल्लेख ककया कक आईटीएफ- 2023 में उभरिी प्रौद्योगकीकयों के 11 क्षेत्र शाकमल हैं, कजिका हमारी अथव्यवस्था और समाज पर गहरा प्रभाव पड़ेगा।

राष्ट्रपति िे इस पर अपिी प्रसन्तिा व्यक्त की कक आईटीएफ- 2023 में एक क्वि और कववृत्ति के बीच सामंजस्य को बढ़ावा

देिे वाली इंजीकियररंग और प्रौद्योगकीकयों की उपलपतियों को प्रकशि करिे का एक दृढ़ प्रयास ककया गया है। उन्ोिे

कहा कक मावि क्किभा का सवश्रेष्ठ उपयोग वि ककया जािा चाहए, जब वह प्रकृ िि का पोषण करिे को लेकर उन्मुख हो। अगर कववृत्ति के त्व्राि को अध्यात्म की खोज के साथ जोड़ कदया जाए िो यह चमत्कार कर सकिा है।

Headline : IETF 2023: President Droupadi Murmu Inaugurates in New Delhi Domain : <https://mtimes.co.in/>

Date : Feb 16, 2023

<https://mtimes.co.in/ietf-2023-president-droupadi-murmu-inagurates-in-new-delhi/>

The President of India Smt Draupadi Murmu inaugurated the International Engineering and Technology Fair (IETF 2023) in New Delhi on Thursday.

Speaking on the occasion, the President said that this year's event is not only a celebration of India's history of development in engineering and manufacturing, but also a testament to the country's collaboration with the world's best advanced technology.

The President said that in the 48 years since the first IETF, India has come a long way and the engineering sector has reached new heights during this time. Today, it is a strong, multi-tiered, multi-faceted Indian industrial sector, playing a vital role in driving growth, creating jobs and increasing exports. The policies adopted in the past have led to unprecedented inclusive growth. The rapid digitization of the economy and its social acceptance have opened up new potentials that have created new paths for higher growth.

The President said he is committed to expanding its global presence by leveraging India's excellent manufacturing experience, quality talent and advanced technological advancements. There are many important areas where international cooperation in engineering and technology will make a difference in making the world a more prosperous and safer place for future generations.

The President said that India has a significant opportunity to engage with international markets. Our commitment to clean energy has fueled our green growth. India is making steady progress towards achieving its goal of net zero emissions by 2070.

Noting that IETF 2023 covers 11 emerging technology areas that could have a major impact on our economy and society, there is no doubt that technology will change the way we live. He said they should strive to use technology for social change. Any technology that reaches some people will eventually fail. On the other hand, I am attracted to technology that changes the lives of ordinary people in a positive way. India's adoption of the world's largest digitization movement is an easy example of people's acceptance of technology making a positive difference in people's lives.

The President is pleased to note that in IETF-2023, there is a strong effort to demonstrate engineering and technology features that promote harmony between nature and science. He said that human ingenuity should be used ideally if it is intended to nurture nature. He said that scientific knowledge combined with spiritual aspirations can do wonders.

**Headline : President Murmu Inaugurates  
International Engineering And Technology Fair  
2023**

**Domain : <https://tennews.in/>**

**Date : Feb 16, 2023**

**<https://tennews.in/president-murmu-inaugurates-international-engineering-and-technology-fair-2023>**

The President of India, Droupadi Murmu inaugurated the International Engineering and Technology Fair (IETF) 2023 in New Delhi today

Speaking on the occasion, the President said that this year, the event is not only a celebration of India's growth story in the engineering and manufacturing sector, but also a testimony to the nation's collaboration with the best in the world in advanced technologies.

The President said that India has come a long way in the 48 years since the first IETF, and the engineering industry has achieved new heights during this period. Today, it is a robust, multi-level, diversified segment of India's industry, playing a critical role in driving growth, creating jobs, and boosting exports. The policies adopted in the recent past have given fillip to an unprecedented inclusive growth. Rapid digitisation of the economy and its acceptance at the social level has unleashed a new potential which has created new pathways for high growth.

The President said that India is on a mission to expand its global engagement taking advantage of its excellent manufacturing experience, high-quality talent and cutting-edge advanced technology attainments. There are many critical areas where international collaboration in engineering and technology would bring about changes to make the world a prosperous and safer place for the posterity.

The President said that India has significant potential to engage with the international markets. Our commitment to clean energy has been driving our green growth. India has been marching ahead steadfastly to attain the net zero emission target in 2070.

Noting that IETF-2023 covers 11 areas of emerging technologies which would have profound impact on our economy and society, the President said that there is no doubt that technology is going to change the way we live. She said that we should strive to use technology for social change. Any technology that confines itself to a section of people would gradually wither away. On the other hand, the technologies that change the lives of ordinary people in a positive manner get traction. The wide acceptance of the world's biggest digitisation drive in India is a prime example of the society readily embracing technologies that bring about positive changes in people's lives.

The President was happy to note that there is a determined attempt in IETF-2023 to showcase feats of engineering and technologies that promote harmony between nature and science. She said that human ingenuity should be put to its best use when it is oriented to nourish the nature. She said that if the knowledge of science is combined with the pursuit of spirituality, it can do miracles.

Headline : President Of India Droupadi Murmu  
Inaugurates International Engineering And  
Technology Fair 2023

Domain : <https://orissadiary.com/>

Date : Feb 16, 2023

<https://orissadiary.com/president-of-india-droupadi-murmu-inaugurates-international-engineering-and-technology-fair-2023/>

The President of India, Droupadi Murmu inaugurated the International Engineering and Technology Fair (IETF) 2023 in New Delhi today (February 16, 2023).

Speaking on the occasion, the President said that this year, the event is not only a celebration of India's growth story in the engineering and manufacturing sector, but also a testimony to the nation's collaboration with the best in the world in advanced technologies.

The President said that India has come a long way in the 48 years since the first IETF, and the engineering industry has achieved new heights during this period. Today, it is a robust, multi-level, diversified segment of India's industry, playing a critical role in driving growth, creating jobs, and boosting exports. The policies adopted in the recent past have given fillip to an unprecedented inclusive growth. Rapid digitisation of the economy and its acceptance at the social level has unleashed a new potential which has created new pathways for high growth.

The President said that India is on a mission to expand its global engagement taking advantage of its excellent manufacturing experience, high-quality talent and cutting-edge advanced technology attainments. There are many critical areas where international collaboration in engineering and technology would bring about changes to make the world a prosperous and safer place for the posterity.

Headline India on mission to expand global  
engagement: Prez

Domain : <https://nagalandpost.com/>

Date : Feb 17, 2023

:

<https://nagalandpost.com/index.php/india-on-mission-to-expand-global-engagement-prez/>

President Droupadi Murmu on Thursday said India is on a mission to expand its global engagement taking advantage of its excellent manufacturing capabilities, high-quality talent and cutting-edge advanced technology attainments. She observed that India is emerging as the most favoured manufacturing destination for sophisticated industries.

“From highly sophisticated areas like defence, aerospace to manufacturing of mobile phones, India has been emerging as the most favoured destination,” said the president. She asserted that the policies adopted in the recent past have given fillip to an unprecedented inclusive growth and noted that the nation has significant potential to engage with the international market. Addressing the International Engineering and Technology Fair organised by CII, she said there are many critical areas where international collaboration in engineering and technology will bring about changes to make the world a prosperous and safer place for the posterity. “India is on a mission to expand its global engagement taking advantage of its excellent manufacturing experience, high-quality talent and cutting-edge advanced technology attainments,” Murmu said. She said artificial intelligence is going to revolutionise healthcare beyond recognition in times to come. Similarly, industrial automation and robotics would dramatically transform manufacturing in a way that was inconceivable a decade back, Murmu noted. About the importance of technology in healthcare, Murmu said this area will continue to be a priority in the coming years. The president observed that policies adopted in the recent past have given fillip to an unprecedented inclusive growth. Rapid digitisation of the economy and its acceptance at the social level has unleashed a new potential which has created new pathways for high growth, Murmu said..

Headline : Indian on mission to expand global engagement, AI to revolutionize healthcare: President Murmu

Domain : <https://www.orissapost.com/>

Date : Feb 16, 2023

<https://www.orissapost.com/india-on-mission-to-expand-global-engagement-ai-to-revolutionise-healthcare-president-murmu/>

President Droupadi Murmu on Thursday said India is on a mission to expand its global engagement taking advantage of its excellent manufacturing capabilities, high-quality talent and cutting-edge advanced technology attainments. She observed that India is emerging as the most favoured manufacturing destination for sophisticated industries.

“From highly sophisticated areas like defence, aerospace to manufacturing of mobile phones, India has been emerging as the most favoured destination,” said the president.

She asserted that the policies adopted in the recent past have given fillip to an unprecedented inclusive growth and noted that the nation has significant potential to engage with the international market.

Addressing the International Engineering and Technology Fair organised by CII, she said there are many critical areas where international collaboration in engineering and technology will bring about changes to make the world a prosperous and safer place for the posterity.

“India is on a mission to expand its global engagement taking advantage of its excellent manufacturing experience, high-quality talent and cutting-edge advanced technology attainments,” Murmu said.

She said artificial intelligence is going to revolutionise healthcare beyond recognition in times to come.

Similarly, industrial automation and robotics would dramatically transform manufacturing in a way that was inconceivable a decade back, Murmu noted. About the importance of technology in healthcare, Murmu said this area will continue to be a priority in the coming years. The president observed that policies adopted in the recent past have given fillip to an unprecedented inclusive growth. Rapid digitisation of the economy and its acceptance at the social level has unleashed a new potential which has created new pathways for high growth, Murmu said.

“Our commitment to clean energy has been driving our green growth which is internationally appreciated. India has been marching ahead steadfastly to attain the net zero emission target in 2070,” said the president. The International Engineering and Technology Fair is being held from February 16-18 at Pragati Maidan in the national capital. Over 400 companies from 19 countries are displaying their latest products and technologies at the IETF. Finland is the focus country at the IETF this year.

Headline : : Indian on mission to expand global engagement, AI to revolutionize healthcare: President Murmu

Domain : [www.devdiscourse.com](http://www.devdiscourse.com)

Date : Feb 16, 2023

Journalist:

<https://www.devdiscourse.com/article/technology/2356996-india-on-mission-to-expand-global-engagement-ai-to-revolutionise-healthcare-president>

President Droupadi Murmu on Thursday said India is on a mission to expand its global engagement taking advantage of its excellent manufacturing capabilities, high-quality talent and cutting-edge advanced technology attainments. She observed that India is emerging as the most favoured manufacturing destination for sophisticated industries.

“From highly sophisticated areas like defence, aerospace to manufacturing of mobile phones, India has been emerging as the most favoured destination,” said the president.

She asserted that the policies adopted in the recent past have given fillip to an unprecedented inclusive growth and noted that the nation has significant potential to engage with the international market.

Addressing the International Engineering and Technology Fair organised by CII, she said there are many critical areas where international collaboration in engineering and technology will bring about changes to make the world a prosperous and safer place for the posterity.

“India is on a mission to expand its global engagement taking advantage of its excellent manufacturing experience, high-quality talent and cutting-edge advanced technology attainments,” Murmu said.

She said artificial intelligence is going to revolutionise healthcare beyond recognition in times to come.

Similarly, industrial automation and robotics would dramatically transform manufacturing in a way that was inconceivable a decade back, Murmu noted. About the importance of technology in healthcare, Murmu said this area will continue to be a priority in the coming years. The president observed that policies adopted in the recent past have given fillip to an unprecedented inclusive growth. Rapid digitisation of the economy and its acceptance at the social level has unleashed a new potential which has created new pathways for high growth, Murmu said.

“Our commitment to clean energy has been driving our green growth which is internationally appreciated. India has been marching ahead steadfastly to attain the net zero emission target in 2070,” said the president. The International Engineering and Technology Fair is being held from February 16-18 at Pragati Maidan in the national capital. Over 400 companies from 19 countries are displaying their latest products and technologies at the IETF. Finland is the focus country at the IETF this year.

Headline : Indian on mission to expand global engagement, AI to revolutionize healthcare: President Murmu

Domain : <https://www.newsdrum.in/>

Date : Feb 16, 2023

<https://www.newsdrum.in/national/india-on-mission-to-expand-global-engagement-ai-to-revolutionise-healthcare-president>

President Droupadi Murmu on Thursday said India is on a mission to expand its global engagement taking advantage of its excellent manufacturing capabilities, high-quality talent and cutting-edge advanced technology attainments. She observed that India is emerging as the most favoured manufacturing destination for sophisticated industries.

“From highly sophisticated areas like defence, aerospace to manufacturing of mobile phones, India has been emerging as the most favoured destination,” said the president.

She asserted that the policies adopted in the recent past have given fillip to an unprecedented inclusive growth and noted that the nation has significant potential to engage with the international market.

Addressing the International Engineering and Technology Fair organised by CII, she said there are many critical areas where international collaboration in engineering and technology will bring about changes to make the world a prosperous and safer place for the posterity.

“India is on a mission to expand its global engagement taking advantage of its excellent manufacturing experience, high-quality talent and cutting-edge advanced technology attainments,” Murmu said.

She said artificial intelligence is going to revolutionise healthcare beyond recognition in times to come.

Similarly, industrial automation and robotics would dramatically transform manufacturing in a way that was inconceivable a decade back, Murmu noted. About the importance of technology in healthcare, Murmu said this area will continue to be a priority in the coming years. The president observed that policies adopted in the recent past have given fillip to an unprecedented inclusive growth. Rapid digitisation of the economy and its acceptance at the social level has unleashed a new potential which has created new pathways for high growth, Murmu said.

“Our commitment to clean energy has been driving our green growth which is internationally appreciated. India has been marching ahead steadfastly to attain the net zero emission target in 2070,” said the president. The International Engineering and Technology Fair is being held from February 16-18 at Pragati Maidan in the national capital. Over 400 companies from 19 countries are displaying their latest products and technologies at the IETF. Finland is the focus country at the IETF this year.

**Headline : India Emerging As Most Favoured  
Manufacturing Destination For Sophisticated  
Industries: President Of Indi3**

**Domain : <https://www.inspire2rise.com/>**

**Date : Feb 16, 2023**

<https://www.inspire2rise.com/india-manufacturing-destination-said-by-president.html>

The engineering sector of India today is a “robust, multi-level, diversified segment of India’s industry, playing a critical role in driving growth, creating jobs, and boosting exports,” said Smt Droupadi Murmu, Hon’ble President of India while inaugurating the silver jubilee edition of the three-day International Engineering and Technology Fair (IETF), organized by Confederation of Indian Industry (CII), in collaboration with Finland Chamber of Commerce in India, NSIC, and government ministries in New Delhi.

“From highly sophisticated areas like defence and aerospace to the manufacturing of mobile phones, India has been emerging as the most favoured destination,”

added the Hon’ble President.

She said that the policies adopted in the recent past have given a fillip to unprecedented inclusive growth and noted that the nation has significant potential to engage with the international market.

The Hon’ble President said that India has been marching ahead steadfastly to achieve its Net Zero emission target by 2070 and added that we are being appreciated the world over for our rapid stride in producing clean energy. She said that India’s commitment to clean energy has been driving its green growth, which has been internationally appreciated.

She noted that technology is going to change the way we live and added that we should strive to use technology to bring positive social change. The importance of technology in healthcare cannot be overestimated; focus on this area will be a priority in the coming years, she said.

Dr Mahendra Nath Pandey, Hon’ble Minister of Heavy Industries, Government of India said that promoting manufacturing is a priority for the Government and added that transformational schemes like ‘Make in India’ and ‘Aatmanirbhar Bharat’ have been launched.

To achieve our growth aspirations, we need to strengthen our technical capabilities and research and development, Dr Pandey added. He said that Smart and Advanced Manufacturing and Rapid Transformation Hubs (SAMARTH Udyog) are creating a conducive environment for digital transformation, growth and skill development in the manufacturing Industry and SMEs.

Asserting that the speedy growth of the nation in the recent past has been a result of enabling policies of the Government, the Minister said that work is being done to promote Industry 4.0. Dr Pandey underlined the need for skilling the Indian workforce in new technologies like design modelling, product prototype, smart manufacturing, etc. and said that his Ministry is working with sector skill councils to skill more than 70,000 people in the next three years.

Mr R Dinesh, President Designate, CII announced that India has achieved 10 billion square feet of registered green building space, noting that this is the second largest green building footprint in the world. The Indian Green Building Council led by CII has been particularly responsible for taking India to this position and CII is committed to competitiveness and sustainability of Indian industry, he said. Mr Dinesh said that India has a very conducive policy environment for Industry and added that Government initiatives such as Gati Shakti have acted as great enablers for Indian and global Industries to collaborate

Mr Chandrajit Banerjee, Director General, CII said that IETF presents huge opportunities for foreign companies to partner with the great Indian growth story and is a great platform for global brands and companies to enter India.

Over 400 companies from 19 countries are displaying their latest products and technologies at the IETF. Finland is the focus country at the IETF this year. The silver jubilee edition of IETF includes 3 concurrent shows and 9 focus shows. The latest innovations in Advanced Building Technologies, Artificial Intelligence, Capital Machinery, Digital Gaming, Fluid Power, Factory & Plant Maintenance, Healthcare, Industrial Automation & Robotics, Modern Logistics Solutions, Metal & Metallurgy, and Water & Solid Waste Management are being presented at the event being held during 16-18 February.

So guys, if you liked this post and wish to receive more tech stuff delivered daily, don't forget to subscribe to the Inspire2Rise newsletter to obtain more timely tech news, updates and more!

Keep visiting for more such excellent posts, internet tips, and gadget reviews, and remember we cover, "Everything under the Sun!"

Headline : Mines ministry in process of identifying mineral blocks in sea: Secretary

Domain : [economictimes.indiatimes.com](https://economictimes.indiatimes.com)

Date : Feb 17, 2023

<https://economictimes.indiatimes.com/news/economy/policy/mines-ministry-in-process-of-identifying-mineral-blocks-in-sea-secretary/articleshow/98012512.cms>

The government is in the process of identifying mineral blocks like nickel in the sea and would gradually put them on sale, mines secretary Vivek Bharadwaj said on Friday. The mines ministry is amending the Offshore Areas Mineral (Development and Regulation) Act, 2002 and has sought the stakeholders' views on the same. Unfortunately, we have not been able to mine the oceans: Mines Secretary

Because the critical minerals are becoming even more critical, there is this thought that why are we not mining in the oceans. Unfortunately, we have not been able to mine the oceans. Now we are amending the Act. It is in public domain, open for comments for the industry, the stakeholders," the mines secretary said during Metal & Metallurgy Expo-2023 organised by CII.

'Ministry to identify blocks in the sea'

The ministry, he said, is in the process of identifying these blocks in the sea and as there are no stakes in there, the auction will be done by the government of India. "That will also be a huge opportunity for industry, a totally new area of operations," he explained\

Critical minerals such as copper, lithium, nickel, cobalt and rare earth elements are essential components in many of today's rapidly growing clean energy technologies, from wind turbines and electricity networks to electric vehicles.

'Recycling metals is extremely important for India to become self-reliant'

The mines secretary further said that recycling of metals, including aluminium, is extremely important for India to be self-reliant.

The level of recycling in India for aluminium is about 30 percent whereas globally it is more than 90 percent. The figures are similar for copper and other metals also. Bharadwaj urged the industry to also get into organised recycling space.

"The companies which are already in the metal industry, I would ask them to think about having a division for recycling. All over the world it is a major area of operations and I think the Indian industry can easily become the recycling hub of the entire world," he explained.

Headline Mines ministry in process of identifying mineral blocks in sea: Secretary Domain : energy.economictimes.indiatimes.com

Date : Feb 18, 2023

<https://energy.economictimes.indiatimes.com/news/coal/mines-ministry-in-process-of-identifying-mineral-blocks-in-sea-secretary/98031389#:~:text=The%20government%20is%20in%20the,stakeholders'%20views%20on%20the%20same>

The government is in the process of identifying mineral blocks like nickel in the sea and would gradually put them on sale, mines secretary Vivek Bharadwaj said on Friday.

The mines ministry is amending the Offshore Areas Mineral (Development and Regulation) Act, 2002 and has sought the stakeholders' views on the same.

"Because the critical minerals are becoming even more critical, there is this thought that why are we not mining in the oceans...Unfortunately we have not been able to mine the oceans. Now we are amending the Act. It is in public domain, open for comments for the industry, the stakeholders," the mines secretary said during Metal & Metallurgy Expo-2023 organised by CII.

The ministry, he said, is in the process of identifying these blocks in the sea and as there are no stakes in there, the auction will be done by the government of India.

"That will also be a huge opportunity for industry, a totally new area of operations," he explained.

Critical minerals such as copper, lithium, nickel, cobalt and rare earth elements are essential components in many of today's rapidly growing clean energy technologies -- from wind turbines and electricity networks to electric vehicles.

The mines secretary further said that recycling of metals, including aluminium, is extremely important for India to be self reliant.

The level of recycling in India for aluminium is about 30 per cent whereas globally it is more than 90 per cent. The figures are similar for copper and other metals also.

Bharadwaj urged the industry to also get into organised recycling space.

"The companies which are already in the metal industry, I would ask them to think about having a division for recycling. All over the world it is a major area of operations and I think the Indian industry can easily become the recycling hub of the entire world," he explained.

**Headline: Mines ministry in process of identifying mineral blocks in sea: Secretary** Domain : [www.business-standard.com](http://www.business-standard.com)

Date : Feb 17, 2023

[https://www.business-standard.com/article/current-affairs/mines-ministry-in-process-of-identifying-mineral-blocks-in-sea-secretary-123021700693\\_1.html](https://www.business-standard.com/article/current-affairs/mines-ministry-in-process-of-identifying-mineral-blocks-in-sea-secretary-123021700693_1.html)

The government is in the process of identifying mineral blocks like nickel in the sea and would gradually put them on sale, mines secretary Vivek Bharadwaj said on Friday.

The mines ministry is amending the Offshore Areas Mineral (Development and Regulation) Act, 2002 and has sought the stakeholders' views on the same.

"Because the critical minerals are becoming even more critical, there is this thought that why are we not mining in the oceans...Unfortunately we have not been able to mine the oceans. Now we are amending the Act. It is in public domain, open for comments for the industry, the stakeholders," the mines secretary said during Metal & Metallurgy Expo-2023 organised by CII.

The ministry, he said, is in the process of identifying these blocks in the sea and as there are no stakes in there, the auction will be done by the government of India.

"That will also be a huge opportunity for industry, a totally new area of operations," he explained.

Critical minerals such as copper, lithium, nickel, cobalt and rare earth elements are essential components in many of today's rapidly growing clean energy technologies -- from wind turbines and electricity networks to electric vehicles.

The mines secretary further said that recycling of metals, including aluminium, is extremely important for India to be self reliant.

The level of recycling in India for aluminium is about 30 per cent whereas globally it is more than 90 per cent. The figures are similar for copper and other metals also.

Bharadwaj urged the industry to also get into organised recycling space.

"The companies which are already in the metal industry, I would ask them to think about having a division for recycling. All over the world it is a major area of operations and I think the Indian industry can easily become the recycling hub of the entire world," he explained.

**Headline: Mining of oceans to unlock huge opportunities for Indian industries: Mines secretary**

**Domain : [www.livemint.com](http://www.livemint.com)**

**Date : Feb 17, 2023**

<https://www.livemint.com/news/india/mining-of-oceans-to-unlock-huge-opportunities-for-indian-industries-mines-secretary-11676633145374.html>

India is looking to mine oceans, which will unlock huge opportunities and new areas of operations for Indian industries, mines secretary Vivek Bharadwaj said.

Speaking at a conference on the sidelines of the silver jubilee edition of the International Engineering & Technology Fair 2023, the mines secretary said that the government is amending the Offshore Areas Minerals (Development and Regulation) Act, which is open for comments from the industry.

"We need to increase domestic exploration and we have enlisted 13 private exploration companies as the opportunities are immense. We also need to look at acquiring foreign assets. We sent a team to Argentina to identify mines for investments and we have two lithium mines and one copper mine there. Within the coming period, we will shortlist projects to invest, which will be open to the private sector," Bhardwaj said.

He also urged the industry to get into organized recycling to make India the recycling hub of the world.

Talking about the opportunities and possibilities in metals and mining industry, he said that the government has proposed amendments in the MMDR Act to encourage junior miners.

Koushik Chatterjee, chairman, Metal & Metallurgy Expo 2023 and executive director and Group CFO, Tata Steel Ltd said metals and metallurgy sector is the foundation of India's economic growth and underlined the need to develop a sustainable metals and metallurgy Industry, which is aligned with India's Sustainable Development and Net-Zero goals.

Gajendra Panwar, MD, Danieli India Ltd said that the industry should build modern steel plants capable of delivering premium quality steel to become globally competitive.

Noting that India needs to become carbon neutral, he said that green hydrogen is a great option to bring down greenhouse gases emissions. "But, until it is available and affordable, we must look for other technologies to use natural gases to bring down carbon emissions," he added.

Sunil Duggal, chairman CII National Committee on Mining and Group CEO, Vedanta Ltd said that the enormous potential of the mining and metallurgy sector needs to be unlocked and added that the industry is fully committed to achieve Prime Minister Narendra Modi's vision to make India Aatmanirbhar in coming years.

Over 400 companies from 19 countries are displaying their latest products and technologies at the IETF. Finland is the focus country at the IETF this year.

**Headline: Mining of oceans to unlock huge opportunities for Indian industries: Mines secretary**

**Domain : [www.thehindubusinessline.com](http://www.thehindubusinessline.com)**

**Date : Feb 18, 2023**

<https://www.thehindubusinessline.com/economy/mining-of-oceans-to-unlock-opportunities-for-indian-industry-vivek-bharadwaj-mines-secretary/article66521306.ece>

India is looking to mine oceans, which will unlock huge opportunities and new areas of operations for Indian industries, mines secretary Vivek Bharadwaj said.

Speaking at a conference on the sidelines of the silver jubilee edition of the International Engineering & Technology Fair 2023, the mines secretary said that the government is amending the Offshore Areas Minerals (Development and Regulation) Act, which is open for comments from the industry.

"We need to increase domestic exploration and we have enlisted 13 private exploration companies as the opportunities are immense. We also need to look at acquiring foreign assets. We sent a team to Argentina to identify mines for investments and we have two lithium mines and one copper mine there. Within the coming period, we will shortlist projects to invest, which will be open to the private sector," Bhardwaj said.

He also urged the industry to get into organized recycling to make India the recycling hub of the world.

Talking about the opportunities and possibilities in metals and mining industry, he said that the government has proposed amendments in the MMDR Act to encourage junior miners.

Koushik Chatterjee, chairman, Metal & Metallurgy Expo 2023 and executive director and Group CFO, Tata Steel Ltd said metals and metallurgy sector is the foundation of India's economic growth and underlined the need to develop a sustainable metals and metallurgy Industry, which is aligned with India's Sustainable Development and Net-Zero goals.

Gajendra Panwar, MD, Danieli India Ltd said that the industry should build modern steel plants capable of delivering premium quality steel to become globally competitive.

Noting that India needs to become carbon neutral, he said that green hydrogen is a great option to bring down greenhouse gases emissions. "But, until it is available and affordable, we must look for other technologies to use natural gases to bring down carbon emissions," he added.

Sunil Duggal, chairman CII National Committee on Mining and Group CEO, Vedanta Ltd said that the enormous potential of the mining and metallurgy sector needs to be unlocked and added that the industry is fully committed to achieve Prime Minister Narendra Modi's vision to make India Aatmanirbhar in coming years.

Over 400 companies from 19 countries are displaying their latest products and technologies at the IETF. Finland is the focus country at the IETF this year.

**Headline: Government To Identify Mineral Blocks In Sea, Put Them On Sale** Domain : [www.ndtv.com](http://www.ndtv.com)

Date : Feb 18, 2023

<https://www.ndtv.com/business/government-to-identify-mineral-blocks-in-sea-put-them-on-sale-3791195>

The government is in the process of identifying mineral blocks like nickel in the sea and would gradually put them on sale, mines secretary Vivek Bharadwaj said on Friday.

The mines ministry is amending the Offshore Areas Mineral (Development and Regulation) Act, 2002 and has sought the stakeholders' views on the same.

"Because the critical minerals are becoming even more critical, there is this thought that why are we not mining in the oceans...Unfortunately we have not been able to mine the oceans. Now we are amending the Act. It is in public domain, open for comments for the industry, the stakeholders," the mines secretary said during Metal & Metallurgy Expo-2023 organised by CII.

The ministry, he said, is in the process of identifying these blocks in the sea and as there are no stakes in there, the auction will be done by the government of India.

"That will also be a huge opportunity for industry, a totally new area of operations," he explained.

Critical minerals such as copper, lithium, nickel, cobalt and rare earth elements are essential components in many of today's rapidly growing clean energy technologies -- from wind turbines and electricity networks to electric vehicles.

The mines secretary further said that recycling of metals, including aluminium, is extremely important for India to be self reliant.

The level of recycling in India for aluminium is about 30 per cent whereas globally it is more than 90 per cent. The figures are similar for copper and other metals also.

Bharadwaj urged the industry to also get into organised recycling space.

"The companies which are already in the metal industry, I would ask them to think about having a division for recycling. All over the world it is a major area of operations and I think the Indian industry can easily become the recycling hub of the entire world," he explained.

Headline: Secy: Mines Min in process of identifying mineral blocks in sea

Domain : [www.millenniumpost.in](http://www.millenniumpost.in)

Date : Feb 17, 2023

<https://www.millenniumpost.in/business/secy-mines-min-in-process-of-identifying-mineral-blocks-in-sea-509014>

The government is in the process of identifying mineral blocks like nickel in the sea and would gradually put them on sale, mines secretary Vivek Bharadwaj said on Friday. The mines ministry is amending the Offshore Areas Mineral (Development and Regulation) Act, 2002 and has sought the stakeholders' views on the same. "Because the critical minerals are becoming even more critical, there is this thought that why are we not mining in the oceans...Unfortunately we have not been able to mine the oceans. Now we are amending the Act. It is in public domain, open for comments for the industry, the stakeholders," the mines secretary said during Metal & Metallurgy Expo-2023 organised by CII.

The ministry, he said, is in the process of identifying these blocks in the sea and as there are no stakes in there, the auction will be done by the government of India. "That will also be a huge opportunity for industry, a totally new area of operations," he explained. Critical minerals such as copper, lithium, nickel, cobalt and rare earth elements are essential components in many of today's rapidly growing clean energy technologies — from wind turbines and electricity networks to electric vehicles. The mines secretary further said that recycling of metals, including aluminium, is extremely important for India to be self reliant. The level of recycling in India for aluminium is about 30 per cent whereas globally it is more than 90 per cent. The figures are similar for copper and other metals also. Bharadwaj urged the industry to also get into organised recycling space.

Headline: Mines ministry in process of identifying mineral blocks in sea: Secretary Domain : psuwatch.com

Date : Feb 17, 2023

<https://psuwatch.com/newsupdates/mines-ministry-in-process-of-identifying-mineral-blocks-in-sea-secretary>

The government is in the process of identifying mineral blocks like nickel in the sea and would gradually put them on sale, mines secretary Vivek Bharadwaj said on Friday. The mines ministry is amending the Offshore Areas Mineral (Development and Regulation) Act, 2002 and has sought the stakeholders' views on the same. Unfortunately, we have not been able to mine the oceans: Mines Secretary

"Because the critical minerals are becoming even more critical, there is this thought that why are we not mining in the oceans. Unfortunately, we have not been able to mine the oceans. Now we are amending the Act. It is in public domain, open for comments for the industry, the stakeholders," the mines secretary said during Metal & Metallurgy Expo-2023 organised by CII.

'Ministry to identify blocks in the sea'

The ministry, he said, is in the process of identifying these blocks in the sea and as there are no stakes in there, the auction will be done by the government of India. "That will also be a huge opportunity for industry, a totally new area of operations," he explained.

Critical minerals such as copper, lithium, nickel, cobalt and rare earth elements are essential components in many of today's rapidly growing clean energy technologies, from wind turbines and electricity networks to electric vehicles.

'Recycling metals is extremely important for India to become self-reliant'

The mines secretary further said that recycling of metals, including aluminium, is extremely important for India to be self-reliant.

The level of recycling in India for aluminium is about 30 percent whereas globally it is more than 90 percent. The figures are similar for copper and other metals also. Bharadwaj urged the industry to also get into organised recycling space.

"The companies which are already in the metal industry, I would ask them to think about having a division for recycling. All over the world it is a major area of operations and I think the Indian industry can easily become the recycling hub of the entire world," he explained.

**Headline: Mining of oceans to unlock huge opportunities, new areas of operations for Indian Industries: Secretary, Ministry of Mines**

**Domain : [www.apnnews.com](http://www.apnnews.com)**

**Date : Feb 17, 2023**

<https://www.apnnews.com/mining-of-oceans-to-unlock-huge-opportunities-new-areas-of-operations-for-indian-industries-secretary-ministry-of-mines/>

India is looking to mine oceans, which will unlock huge opportunities and new areas of operations for Indian Industries, said Shri Vivek Bhardwaj, Secretary, Ministry of Mines, Government of India during a conference on 16 February on the sidelines of the silver jubilee edition of the International Engineering & Technology Fair 2023, organized by the Confederation of Indian Industry (CII), in collaboration with Finland Chamber of Commerce in India, NSIC, and Government ministries in New Delhi. He said that the Government is amending the Offshore Areas Minerals (Development and Regulation) Act, which is open for comments from the industry.

“We need to increase domestic exploration and we have enlisted 13 private exploration companies as the opportunities are immense. We also need to look at acquiring foreign assets. We sent a team to Argentina to identify mines for investments and we have two lithium mines and one copper mine there. Within the coming period, we will shortlist projects to invest, which will be open to the private sector,” Shri Bhardwaj said. He also urged the industry to get into organized recycling to make India the recycling hub of the world. Talking about the opportunities and possibilities in metals and mining industry, he said that the Government has proposed amendments in the MMDR Act to encourage junior miners. The Mines Secretary was speaking at a conference titled ‘Vision 2047: Atmanirbharta in Minerals and Metals’ to discuss the roadmap and opportunities in the metals & mining industry of India.

Koushik Chatterjee, Chairman, Metal & Metallurgy Expo 2023 and Executive Director and Group CFO, Tata Steel Ltd said that metals and metallurgy sector is the foundation of India’s economic growth and underlined the need to develop a sustainable metals and metallurgy Industry, which is aligned with India’s Sustainable Development and Net-Zero goals.

Gajendra Panwar, MD, Danieli India Ltd said that the industry should build modern steel plants capable of delivering premium quality steel to become globally competitive. Noting that India needs to become carbon neutral, he said that Green Hydrogen is a great option to bring down greenhouse gases emissions. But, until it is available and affordable, we must look for other technologies to use natural gases to bring down carbon emissions, he added.

Sunil Duggal, Chairman CII National Committee on Mining and Group CEO, Vedanta Ltd said that the enormous potential of the mining and metallurgy sector needs to be unlocked and added that the industry is fully committed to achieve Prime Minister Narendra Modi’s vision to make India Aatmanirbhar in coming years.

Over 400 companies from 19 countries are displaying their latest products and technologies at the IETF. Finland is the focus country at the IETF this year. The silver jubilee edition of IETF includes 3 concurrent shows and 9 focus shows. The latest innovations in Advanced Building Technologies, Artificial Intelligence, Capital Machinery, Digital Gaming, Fluid Power, Factory & Plant Maintenance, Healthcare, Industrial

Headline: समुद्र में महत्वपूर्ण मिनरल्स के भंडार  
की तलाश में जुटी सरकार: सचिव

Domain : bhasha.ptinews.com

Date : Feb 17, 2023

<https://bhasha.ptinews.com/news/earth/464455.html>

खान मंत्रालय में सचिव विवेक भारद्वाज ने शुक्रवार को कहा कि सरकार निकेल जैसे खनिजों के भंडार की समुद्री क्षेत्र में तलाश में जुटी हुई है और आगे चलकर इन भंडारों की बिक्री भी की जाएगी।

खान मंत्रालय ने अपतटीय क्षेत्र खनिज विकास एवं नियमन अधिनियम, 2002 में संशोधन के लिए हितधारकों से इस पर राय मांगी है।

भारद्वाज ने यहां उद्योग मंडल सीआईआई के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'महत्वपूर्ण खनिजों के अधिक महत्वपूर्ण होते जाने से ऐसी सोच ने जन्म लिया है कि हम समुद्री क्षेत्र में इनका खनन क्यों नहीं कर रहे। दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम समुद्री खनिज का खनन नहीं कर पा रहे हैं। अब हम इस कानून को संशोधित कर रहे हैं और इस बारे में सभी हितधारक अपनी राय दे सकते हैं।'

उन्होंने कहा कि खान मंत्रालय समुद्री इलाके में महत्वपूर्ण खनिजों को चिह्नित करने की प्रक्रिया में लगा हुआ है। इस प्रक्रिया में किसी अन्य पक्ष के हितधारक नहीं होने से भारत सरकार इस खनिज भंडार की नीलामी करेगी।

खान सचिव ने इसे उद्योग जगत के लिए एक बड़ा मौका बताते हुए कहा, 'यह एकदम अलग तरह का कारोबारी परिचालन होगा।'

तांबा, लिथियम, निकेल, कोबाल्ट एवं दुर्लभ पृथ्वी तत्वों जैसे महत्वपूर्ण खनिज आज की स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी वाले दौर में बेहद जरूरी घटक हैं। इनका इस्तेमाल पवन चक्कियों से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों तक में होता है।

भारद्वाज ने कहा कि एल्युमिनियम एवं अन्य धातुओं की रिसाइक्लिंग (दोबारा इस्तेमाल) भारत को आत्म-निर्भर बनने के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने उद्योग जगत से 'रिसाइक्लिंग' गतिविधियों में भी शामिल होने का अनुरोध किया।

Headline: समुद्र में महत्वपूर्ण मिनरल्स के भंडार की  
तलाश में जुटी सरकार: सचिव

Domain : hindi.theprint.in

Date : Feb 17, 2023

<https://hindi.theprint.in/india/economy/government-engaged-in-search-of-reserves-of-important-minerals-in-the-sea-secretary-2/474570/>

खान मंत्रालय में सचिव विवेक भारद्वाज ने शुक्रवार को कहा कि सरकार निकेल जैसे खनिजों के भंडार की समुद्री क्षेत्र में तलाश में जुटी हुई है और आगे चलकर इन भंडारों की बिक्री भी की जाएगी।

खान मंत्रालय ने अपतटीय क्षेत्र खनिज विकास एवं नियमन अधिनियम, 2002 में संशोधन के लिए हितधारकों से इस पर राय मांगी है।

भारद्वाज ने यहां उद्योग मंडल सीआईआई के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'महत्वपूर्ण खनिजों के अधिक महत्वपूर्ण होते जाने से ऐसी सोच ने जन्म लिया है कि हम समुद्री क्षेत्र में इनका खनन क्यों नहीं कर रहे। दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम समुद्री खनिज का खनन नहीं कर पा रहे हैं। अब हम इस कानून को संशोधित कर रहे हैं और इस बारे में सभी हितधारक अपनी राय दे सकते हैं।'

उन्होंने कहा कि खान मंत्रालय समुद्री इलाके में महत्वपूर्ण खनिजों को चिह्नित करने की प्रक्रिया में लगा हुआ है। इस प्रक्रिया में किसी अन्य पक्ष के हितधारक नहीं होने से भारत सरकार इस खनिज भंडार की नीलामी करेगी।

खान सचिव ने इसे उद्योग जगत के लिए एक बड़ा मौका बताते हुए कहा, 'यह एकदम अलग तरह का कारोबारी परिचालन होगा।'

तांबा, लिथियम, निकेल, कोबाल्ट एवं दुर्लभ पृथ्वी तत्वों जैसे महत्वपूर्ण खनिज आज की स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी वाले दौर में बेहद जरूरी घटक हैं। इनका इस्तेमाल पवन चक्कियों से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों तक में होता है।

भारद्वाज ने कहा कि एल्युमिनियम एवं अन्य धातुओं की रिसाइक्लिंग (दोबारा इस्तेमाल) भारत को आत्म-निर्भर बनने के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने उद्योग जगत से 'रिसाइक्लिंग' गतिविधियों में भी शामिल होने का अनुरोध किया।

Date : Feb 17, 2023

[https://hindi.business-standard.com/india-news/government-engaged-in-search-of-reserves-of-important-minerals-in-the-sea-secretary#:~:text=%E0%A4%96%E0%A4%BE%E0%A4%A8%20%E0%A4%AE%E0%A4%82%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%BE%E0%A4%B2%E0%A4%AF%20\(Ministry%20of%20Mines,%E0%A4%95%E0%A5%80%20%E0%A4%AC%E0%A4%BF%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A5%80%20%E0%A4%AD%E0%A5%80%20%E0%A4%95%E0%A5%80%2](https://hindi.business-standard.com/india-news/government-engaged-in-search-of-reserves-of-important-minerals-in-the-sea-secretary#:~:text=%E0%A4%96%E0%A4%BE%E0%A4%A8%20%E0%A4%AE%E0%A4%82%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%BE%E0%A4%B2%E0%A4%AF%20(Ministry%20of%20Mines,%E0%A4%95%E0%A5%80%20%E0%A4%AC%E0%A4%BF%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A5%80%20%E0%A4%AD%E0%A5%80%20%E0%A4%95%E0%A5%80%2)

खान मंत्रालय में सचिव विवेक भारद्वाज ने शुक्रवार को कहा कि सरकार निकेल जैसे खनिजों के भंडार की समुद्री क्षेत्र में तलाश में जुटी हुई है और आगे चलकर इन भंडारों की बिक्री भी की जाएगी।

खान मंत्रालय ने अपतटीय क्षेत्र खनिज विकास एवं नियमन अधिनियम, 2002 में संशोधन के लिए हितधारकों से इस पर राय मांगी है।

भारद्वाज ने यहां उद्योग मंडल सीआईआई के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'महत्वपूर्ण खनिजों के अधिक महत्वपूर्ण होते जाने से ऐसी सोच ने जन्म लिया है कि हम समुद्री क्षेत्र में इनका खनन क्यों नहीं कर रहे। दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम समुद्री खनिज का खनन नहीं कर पा रहे हैं। अब हम इस कानून को संशोधित कर रहे हैं और इस बारे में सभी हितधारक अपनी राय दे सकते हैं।'

उन्होंने कहा कि खान मंत्रालय समुद्री इलाके में महत्वपूर्ण खनिजों को चिह्नित करने की प्रक्रिया में लगा हुआ है। इस प्रक्रिया में किसी अन्य पक्ष के हितधारक नहीं होने से भारत सरकार इस खनिज भंडार की नीलामी करेगी।

खान सचिव ने इसे उद्योग जगत के लिए एक बड़ा मौका बताते हुए कहा, 'यह एकदम अलग तरह का कारोबारी परिचालन होगा।'

तांबा, लिथियम, निकेल, कोबाल्ट एवं दुर्लभ पृथ्वी तत्वों जैसे महत्वपूर्ण खनिज आज की स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी वाले दौर में बेहद जरूरी घटक हैं। इनका इस्तेमाल पवन चक्कियों से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों तक में होता है।

भारद्वाज ने कहा कि एल्युमिनियम एवं अन्य धातुओं की रिसाइक्लिंग (दोबारा इस्तेमाल) भारत को आत्म-निर्भर बनने के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने उद्योग जगत से 'रिसाइक्लिंग' गतिविधियों में भी शामिल होने का अनुरोध किया।

Headline: समुद्र में महत्वपूर्ण मिनरल्स के भंडार की तलाश में जुटी सरकार: सचिव Domain : www.punjabkesari.in

Date : Feb 17, 2023

<https://www.punjabkesari.in/state/news/pti-state-story-1773394>

खान मंत्रालय में सचिव विवेक भारद्वाज ने शुक्रवार को कहा कि सरकार निकेल जैसे खनिजों के भंडार की समुद्री क्षेत्र में तलाश में जुटी हुई है और आगे चलकर इन भंडारों की बिक्री भी की जाएगी।

खान मंत्रालय ने अपतटीय क्षेत्र खनिज विकास एवं नियमन अधिनियम, 2002 में संशोधन के लिए हितधारकों से इस पर राय मांगी है।

भारद्वाज ने यहां उद्योग मंडल सीआईआई के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'महत्वपूर्ण खनिजों के अधिक महत्वपूर्ण होते जाने से ऐसी सोच ने जन्म लिया है कि हम समुद्री क्षेत्र में इनका खनन क्यों नहीं कर रहे। दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम समुद्री खनिज का खनन नहीं कर पा रहे हैं। अब हम इस कानून को संशोधित कर रहे हैं और इस बारे में सभी हितधारक अपनी राय दे सकते हैं।'

उन्होंने कहा कि खान मंत्रालय समुद्री इलाके में महत्वपूर्ण खनिजों को चिह्नित करने की प्रक्रिया में लगा हुआ है। इस प्रक्रिया में किसी अन्य पक्ष के हितधारक नहीं होने से भारत सरकार इस खनिज भंडार की नीलामी करेगी।

खान सचिव ने इसे उद्योग जगत के लिए एक बड़ा मौका बताते हुए कहा, 'यह एकदम अलग तरह का कारोबारी परिचालन होगा।'

तांबा, लिथियम, निकेल, कोबाल्ट एवं दुर्लभ पृथ्वी तत्वों जैसे महत्वपूर्ण खनिज आज की स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी वाले दौर में बेहद जरूरी घटक हैं। इनका इस्तेमाल पवन चक्कियों से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों तक में होता है।

भारद्वाज ने कहा कि एल्युमिनियम एवं अन्य धातुओं की रिसाइक्लिंग (दोबारा इस्तेमाल) भारत को आत्म-निर्भर बनने के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने उद्योग जगत से 'रिसाइक्लिंग' गतिविधियों में भी शामिल होने का अनुरोध किया।

Headline: समुद्र में महत्वपूर्ण मिनरल्स के भंडार की  
तलाश में जुटी सरकार: सचिव

Domain : hindi.latestly.com

Date : Feb 17, 2023

<https://hindi.latestly.com/agency-news/government-engaged-in-search-of-important-mineral-deposits-in-the-sea-secretary-1703739.html>

खान मंत्रालय में सचिव विवेक भारद्वाज ने शुक्रवार को कहा कि सरकार निकेल जैसे खनिजों के भंडार की समुद्री क्षेत्र में तलाश में जुटी हुई है और आगे चलकर इन भंडारों की बिक्री भी की जाएगी।

खान मंत्रालय ने अपतटीय क्षेत्र खनिज विकास एवं नियमन अधिनियम, 2002 में संशोधन के लिए हितधारकों से इस पर राय मांगी है।

भारद्वाज ने यहां उद्योग मंडल सीआईआई के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'महत्वपूर्ण खनिजों के अधिक महत्वपूर्ण होते जाने से ऐसी सोच ने जन्म लिया है कि हम समुद्री क्षेत्र में इनका खनन क्यों नहीं कर रहे। दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम समुद्री खनिज का खनन नहीं कर पा रहे हैं। अब हम इस कानून को संशोधित कर रहे हैं और इस बारे में सभी हितधारक अपनी राय दे सकते हैं।'

उन्होंने कहा कि खान मंत्रालय समुद्री इलाके में महत्वपूर्ण खनिजों को चिह्नित करने की प्रक्रिया में लगा हुआ है। इस प्रक्रिया में किसी अन्य पक्ष के हितधारक नहीं होने से भारत सरकार इस खनिज भंडार की नीलामी करेगी।

खान सचिव ने इसे उद्योग जगत के लिए एक बड़ा मौका बताते हुए कहा, 'यह एकदम अलग तरह का कारोबारी परिचालन होगा।'

तांबा, लिथियम, निकेल, कोबाल्ट एवं दुर्लभ पृथ्वी तत्वों जैसे महत्वपूर्ण खनिज आज की स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी वाले दौर में बेहद जरूरी घटक हैं। इनका इस्तेमाल पवन चक्कियों से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों तक में होता है।

भारद्वाज ने कहा कि एल्युमिनियम एवं अन्य धातुओं की रिसाइक्लिंग (दोबारा इस्तेमाल) भारत को आत्म-निर्भर बनने के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने उद्योग जगत से 'रिसाइक्लिंग' गतिविधियों में भी शामिल होने का अनुरोध किया।

Date : Feb 17, 2023

<https://www.abc24.in/business/govt-looking-for-reserves-of-important-minerals-in-sea-secretary-1412874.html>

खान मंत्रालय में सचिव विवेक भारद्वाज ने शुक्रवार को कहा कि सरकार निकेल जैसे खनिजों के भंडार की समुद्री क्षेत्र में तलाश में जुटी हुई है और आगे चलकर इन भंडारों की बिक्री भी की जाएगी।

खान मंत्रालय ने अपतटीय क्षेत्र खनिज विकास एवं नियमन अधिनियम, 2002 में संशोधन के लिए हितधारकों से इस पर राय मांगी है।

भारद्वाज ने यहां उद्योग मंडल सीआईआई के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'महत्वपूर्ण खनिजों के अधिक महत्वपूर्ण होते जाने से ऐसी सोच ने जन्म लिया है कि हम समुद्री क्षेत्र में इनका खनन क्यों नहीं कर रहे। दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम समुद्री खनिज का खनन नहीं कर पा रहे हैं। अब हम इस कानून को संशोधित कर रहे हैं और इस बारे में सभी हितधारक अपनी राय दे सकते हैं।'

उन्होंने कहा कि खान मंत्रालय समुद्री इलाके में महत्वपूर्ण खनिजों को चिह्नित करने की प्रक्रिया में लगा हुआ है। इस प्रक्रिया में किसी अन्य पक्ष के हितधारक नहीं होने से भारत सरकार इस खनिज भंडार की नीलामी करेगी।

खान सचिव ने इसे उद्योग जगत के लिए एक बड़ा मौका बताते हुए कहा, 'यह एकदम अलग तरह का कारोबारी परिचालन होगा।'

तांबा, लिथियम, निकेल, कोबाल्ट एवं दुर्लभ पृथ्वी तत्वों जैसे महत्वपूर्ण खनिज आज की स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी वाले दौर में बेहद जरूरी घटक हैं। इनका इस्तेमाल पवन चक्कियों से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों तक में होता है।

भारद्वाज ने कहा कि एल्युमिनियम एवं अन्य धातुओं की रिसाइक्लिंग (दोबारा इस्तेमाल) भारत को आत्म-निर्भर बनने के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने उद्योग जगत से 'रिसाइक्लिंग' गतिविधियों में भी शामिल होने का अनुरोध किया

Headline: समुद्र में महत्वपूर्ण मिनरल्स के भंडार की  
तलाश में जुटी सरकार: सचिव

Domain : hindi.dynamitenews.com

Date : Feb 17, 2023

<https://hindi.dynamitenews.com/story/mines-secretary-vivek-bhardwaj-said-government-engaged-in-search-of-reserves-of-important-minerals-in-the-sea-they-will-also-be-sold>

खान मंत्रालय में सचिव विवेक भारद्वाज ने शुक्रवार को कहा कि सरकार निकेल जैसे खनिजों के भंडार की समुद्री क्षेत्र में तलाश में जुटी हुई है और आगे चलकर इन भंडारों की बिक्री भी की जाएगी।

खान मंत्रालय ने अपतटीय क्षेत्र खनिज विकास एवं नियमन अधिनियम, 2002 में संशोधन के लिए हितधारकों से इस पर राय मांगी है।

भारद्वाज ने यहां उद्योग मंडल सीआईआई के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'महत्वपूर्ण खनिजों के अधिक महत्वपूर्ण होते जाने से ऐसी सोच ने जन्म लिया है कि हम समुद्री क्षेत्र में इनका खनन क्यों नहीं कर रहे। दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम समुद्री खनिज का खनन नहीं कर पा रहे हैं। अब हम इस कानून को संशोधित कर रहे हैं और इस बारे में सभी हितधारक अपनी राय दे सकते हैं।'

उन्होंने कहा कि खान मंत्रालय समुद्री इलाके में महत्वपूर्ण खनिजों को चिह्नित करने की प्रक्रिया में लगा हुआ है। इस प्रक्रिया में किसी अन्य पक्ष के हितधारक नहीं होने से भारत सरकार इस खनिज भंडार की नीलामी करेगी।

खान सचिव ने इसे उद्योग जगत के लिए एक बड़ा मौका बताते हुए कहा, 'यह एकदम अलग तरह का कारोबारी परिचालन होगा।'

तांबा, लिथियम, निकेल, कोबाल्ट एवं दुर्लभ पृथ्वी तत्वों जैसे महत्वपूर्ण खनिज आज की स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी वाले दौर में बेहद जरूरी घटक हैं। इनका इस्तेमाल पवन चक्कियों से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों तक में होता है।

भारद्वाज ने कहा कि एल्युमिनियम एवं अन्य धातुओं की रिसाइक्लिंग (दोबारा इस्तेमाल) भारत को आत्म-निर्भर बनने के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने उद्योग जगत से 'रिसाइक्लिंग' गतिविधियों में भी शामिल होने का अनुरोध किया

Headline: Mines ministry in process of identifying mineral blocks in sea: Secretary Domain : [www.newsdrum.in](http://www.newsdrum.in)

Date : Feb 17, 2023

<https://www.newsdrum.in/business/mines-ministry-in-process-of-identifying-mineral-blocks-in-sea-secretary>

The government is in the process of identifying mineral blocks like nickel in the sea and would gradually put them on sale, mines secretary Vivek Bharadwaj said on Friday. The mines ministry is amending the Offshore Areas Mineral (Development and Regulation) Act, 2002 and has sought the stakeholders' views on the same. Unfortunately, we have not been able to mine the oceans: Mines Secretary

"Because the critical minerals are becoming even more critical, there is this thought that why are we not mining in the oceans. Unfortunately, we have not been able to mine the oceans. Now we are amending the Act. It is in public domain, open for comments for the industry, the stakeholders," the mines secretary said during Metal & Metallurgy Expo-2023 organised by CII.

'Ministry to identify blocks in the sea'

The ministry, he said, is in the process of identifying these blocks in the sea and as there are no stakes in there, the auction will be done by the government of India. "That will also be a huge opportunity for industry, a totally new area of operations," he explained.

Critical minerals such as copper, lithium, nickel, cobalt and rare earth elements are essential components in many of today's rapidly growing clean energy technologies, from wind turbines and electricity networks to electric vehicles.

'Recycling metals is extremely important for India to become self-reliant'

The mines secretary further said that recycling of metals, including aluminium, is extremely important for India to be self-reliant.

The level of recycling in India for aluminium is about 30 percent whereas globally it is more than 90 percent. The figures are similar for copper and other metals also. Bharadwaj urged the industry to also get into organised recycling space.

"The companies which are already in the metal industry, I would ask them to think about having a division for recycling. All over the world it is a major area of operations and I think the Indian industry can easily become the recycling hub of the entire world," he explained.

Headline: Mines ministry in process of identifying mineral blocks in sea: Secretary Domain : beamstart.com

Date : Feb 17, 2023

<https://beamstart.com/news/mines-ministry-in-process-of-16766321009262>

The government is in the process of identifying mineral blocks like nickel in the sea and would gradually put them on sale, mines secretary Vivek Bharadwaj said on Friday. The mines ministry is amending the Offshore Areas Mineral (Development and Regulation) Act, 2002 and has sought the stakeholders' views on the same. Unfortunately, we have not been able to mine the oceans: Mines Secretary

"Because the critical minerals are becoming even more critical, there is this thought that why are we not mining in the oceans. Unfortunately, we have not been able to mine the oceans. Now we are amending the Act. It is in public domain, open for comments for the industry, the stakeholders," the mines secretary said during Metal & Metallurgy Expo-2023 organised by CII.

'Ministry to identify blocks in the sea'

The ministry, he said, is in the process of identifying these blocks in the sea and as there are no stakes in there, the auction will be done by the government of India. "That will also be a huge opportunity for industry, a totally new area of operations," he explained.

Critical minerals such as copper, lithium, nickel, cobalt and rare earth elements are essential components in many of today's rapidly growing clean energy technologies, from wind turbines and electricity networks to electric vehicles.

'Recycling metals is extremely important for India to become self-reliant'

The mines secretary further said that recycling of metals, including aluminium, is extremely important for India to be self-reliant.

The level of recycling in India for aluminium is about 30 percent whereas globally it is more than 90 percent. The figures are similar for copper and other metals also. Bharadwaj urged the industry to also get into organised recycling space.

"The companies which are already in the metal industry, I would ask them to think about having a division for recycling. All over the world it is a major area of operations and I think the Indian industry can easily become the recycling hub of the entire world," he explained.

**Headline: Mines ministry in process of identifying mineral blocks in sea: Secretary**      Domain : shafaqna.com

Date : Feb 17, 2023

<https://in.shafaqna.com/EN/AL/5851894>

The government is in the process of identifying mineral blocks like nickel in the sea and would gradually put them on sale, mines secretary Vivek Bharadwaj said on Friday. The mines ministry is amending the Offshore Areas Mineral (Development and Regulation) Act, 2002 and has sought the stakeholders views on the same. Because the critical minerals are becoming even more critical, there is this thought that why are we not mining in the oceans...Unfortunately we have not been able to mine the oceans. Now we are amending the Act. It is in public domain, open for comments for the industry, the stakeholders, the mines secretary said during Metal Metallurgy Expo-2023 organised by CII. The ministry, he said, is in the process of identifying these blocks in the sea and as there are no stakes in there, the auction will be done by the government of India. That will also be a huge opportunity for industry, a totally new area of operations, he explained. Critical minerals such as ...

Headline: Mines ministry in process of identifying mineral blocks in sea: Secretary Domain : Domain : <https://angel2.in/>

Date : Feb 17, 2023

<https://angel2.in/government-to-identify-mineral-blocks-in-sea-put-them-on-sale/>

The government is in the process of identifying mineral blocks like nickel in the sea and would gradually put them on sale, mines secretary Vivek Bharadwaj said on Friday.

The mines ministry is amending the Offshore Areas Mineral (Development and Regulation) Act, 2002 and has sought the stakeholders' views on the same.

"Because the critical minerals are becoming even more critical, there is this thought that why are we not mining in the oceans...Unfortunately we have not been able to mine the oceans. Now we are amending the Act. It is in public domain, open for comments for the industry, the stakeholders," the mines secretary said during Metal & Metallurgy Expo-2023 organised by CII.

The ministry, he said, is in the process of identifying these blocks in the sea and as there are no stakes in there, the auction will be done by the government of India.

"That will also be a huge opportunity for industry, a totally new area of operations," he explained.

Critical minerals such as copper, lithium, nickel, cobalt and rare earth elements are essential components in many of today's rapidly growing clean energy technologies — from wind turbines and electricity networks to electric vehicles.

The mines secretary further said that recycling of metals, including aluminium, is extremely important for India to be self reliant.

Headline: Mining of oceans to unlock huge opportunities for Indian industries: Mines secretary

Domain : ground.news

Date : Feb 17, 2023

<https://ground.news/article/mining-of-oceans-to-unlock-huge-opportunities-for-indian-industries-mines-secretary>

We need to increase domestic exploration and we have enlisted 13 private exploration companies as the opportunities are immense, mines secretary Vivek Bharadwaj said

**Headline: Mining of oceans to unlock huge opportunities for Indian industries: Mines secretary**

**Domain :Apnnews**

**Date : Feb 17, 2023**

<https://www.apnnews.com/implementation-of-effective-wastewater-management-techniques-is-critical-for-ensuring-water-security-in-india-kaushal-kishore/>

Shri Kaushal Kishore, Minister of State, Ministry of Housing and Urban Affairs, Government of India, said, “We need to accelerate our efforts, make people aware of water related issues and requirement of lifestyle changes, develop innovative technologies and religiously implement wastewater treatment strategies.” This necessitates the complete integration of water conservation and wastewater treatment practices at different levels in our daily life.

The Minister was speaking at the ‘Conference on Water and Wastewater Management’ organised by CII on the sidelines of the 25th edition of International Engineering & Technology Fair (IETF) to discuss water related issues and possible solutions to enhance India’s water management capabilities.

“The government has also emphasized the utilization of modern technologies and methods while developing today’s cities. We are working on a mission to make India a Developed Nation by 2047 in which water conservation, ground water recharge, quality, and equal access to all will play a critical role. Safe and adequate water will also facilitate India’s mission to improve the health of every citizen,” he added.

**Headline: President Droupadi Murmu inaugurates the 25th International Engineering & Technology Fair (IETF) organised by the Confederation of Indian Industry (CII) at Pragati Maidan, New Delhi** Domain :YouTube

Date : Feb 17, 2023

<https://www.youtube.com/watch?v=6Et471cHXL0>

President Droupadi Murmu inaugurates the 25th International Engineering & Technology Fair (IETF) organised by the Confederation of Indian Industry (CII) at Pragati Maidan, New Delhi

Headline India on mission to expand global engagement AI to revolutionise healthcare President

Domain : theweek.in

Date : Feb 16, 2023

<https://www.theweek.in/wire-updates/national/2023/02/16/del63-prez-ld-ietf.html>

New Delhi, Feb 16 (PTI) President Droupadi Murmu on Thursday said India is on a mission to expand its global engagement taking advantage of its excellent manufacturing capabilities, high-quality talent and cutting-edge advanced technology attainments.

She observed that India is emerging as the most favoured manufacturing destination for sophisticated industries. "From highly sophisticated areas like defence, aerospace to manufacturing of mobile phones, India has been emerging as the most favoured destination," said the president. She asserted that the policies adopted in the recent past have given fillip to an unprecedented inclusive growth and noted that the nation has significant potential to engage with the international market.

Addressing the International Engineering and Technology Fair organised by CII, she said there are many critical areas where international collaboration in engineering and technology will bring about changes to make the world a prosperous and safer place for the posterity.

"India is on a mission to expand its global engagement taking advantage of its excellent manufacturing experience, high-quality talent and cutting-edge advanced technology attainments," Murmu said.

She said artificial intelligence is going to revolutionise healthcare beyond recognition in times to come.

Similarly, industrial automation and robotics would dramatically transform manufacturing in a way that was inconceivable a decade back, Murmu noted.

About the importance of technology in healthcare, Murmu said this area will continue to be a priority in the coming years.

The president observed that policies adopted in the recent past have given fillip to an unprecedented inclusive growth.

Rapid digitisation of the economy and its acceptance at the social level has unleashed a new potential which has created new pathways for high growth, Murmu said.

"Our commitment to clean energy has been driving our green growth which is internationally appreciated. India has been marching ahead steadfastly to attain the net zero emission target in 2070," said the president.

The International Engineering and Technology Fair is being held from February 16-18 at Pragati Maidan in the national capital.

Over 400 companies from 19 countries are displaying their latest products and technologies at the IETF. Finland is the focus country at the IETF this year.

Headline: India on mission to expand global engagement; AI to revolutionise healthcare: President Murmu

Domain : yourstory.com

Date : Feb 16, 2023

<https://yourstory.com/2023/02/india-on-mission-expand-global-engagement-ai-in-healthcare-president-murmu>

President Droupadi Murmu on Thursday said India is on a mission to expand its global engagement taking advantage of its excellent manufacturing capabilities, high-quality talent, and cutting-edge advanced technology attainments. She observed that India is emerging as the most favoured manufacturing destination for sophisticated industries. "From highly sophisticated areas like defence and aerospace to the manufacturing of mobile phones, India has been emerging as the most favoured destination," said the president. She asserted that the policies adopted in the recent past have given a fillip to unprecedented inclusive growth and noted that the nation has significant potential to engage with the international market.

**Headline: AI to Revolutionise Healthcare, India on Mission to Expand Global Engagement: President Murmu** Domain : [www.news18.com](http://www.news18.com)

Date : Feb 16, 2023

<https://www.news18.com/news/india/ai-to-revolutionise-healthcare-india-on-mission-to-expand-global-engagement-president-murmu-7100263.html>

President Droupadi Murmu on Thursday said India is on a mission to expand its global engagement taking advantage of its excellent manufacturing capabilities, high-quality talent and cutting-edge advanced technology attainments.

She observed that India is emerging as the most favoured manufacturing destination for sophisticated industries.

"From highly sophisticated areas like defence, aerospace to manufacturing of mobile phones, India has been emerging as the most favoured destination," said the president.

She asserted that the policies adopted in the recent past have given fillip to an unprecedented inclusive growth and noted that the nation has significant potential to engage with the international market.

Addressing the International Engineering and Technology Fair organised by CII, she said there are many critical areas where international collaboration in engineering and technology will bring about changes to make the world a prosperous and safer place for the posterity.

"India is on a mission to expand its global engagement taking advantage of its excellent manufacturing experience, high-quality talent and cutting-edge advanced technology attainments," Murmu said

**Headline:India Emerging As Most Favoured  
Manufacturing Destination For Sophisticated  
Industries: President Of India**

**Domain : indiaeducationdiary.in**

**Date : Feb 16, 2023**

<https://indiaeducationdiary.in/india-emerging-as-most-favoured-manufacturing-destination-for-sophisticated-industries-president-of-india/>

ew Delhi: The engineering sector of India today is a “robust, multi-level, diversified segment of India’s industry, playing a critical role in driving growth, creating jobs, and boosting exports,” said Smt Droupadi Murmu, Hon’ble President of India while inaugurating the silver jubilee edition of the three-day International Engineering and Technology Fair (IETF), organized by Confederation of Indian Industry (CII), in collaboration with Finland Chamber of Commerce in India, NSIC, and government ministries in New Delhi.

“From highly sophisticated areas like defence, aerospace to manufacturing of mobile phones, India has been emerging as the most favoured destination,” added the Hon’ble President. She said that the policies adopted in the recent past have given fillip to an unprecedented inclusive growth and noted that the nation has significant potential to engage with the international market.

Headline: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली में  
अंतरराष्ट्रीय इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी मेला  
(IETF) 2023 का उद्घाटन किया

Domain : insamachar.com

Date : Feb 16, 2023

<https://insamachar.com/president-draupadi-murmu-inaugurated-the-international-engineering-and-technology-fair-ietf-2023-in-new-delhi/>

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी मेला (आईईटीएफ) 2023 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि इस साल का यह आयोजन न केवल इंजीनियरिंग और विनिर्माण क्षेत्र में भारत की विकास गाथा का उत्सव है, बल्कि विश्व की उन्नत प्रौद्योगिकियों में सर्वश्रेष्ठ के साथ राष्ट्र की सहभागिता का भी एक प्रमाण है।

राष्ट्रपति ने कहा कि पहले आईईटीएफ के बाद से पिछले 48 वर्षों में भारत ने एक लंबी यात्रा की है और इस अवधि के दौरान इंजीनियरिंग उद्योग ने नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है। आज यह भारत के उद्योग का एक ठोस, बहु-स्तरीय व विविध हिस्सा है, जो विकास को आगे बढ़ाने, रोजगार सृजित करने और निर्यात को बढ़ावा देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हाल के दिनों में अपनाई गई नीतियों ने अभूतपूर्व समावेशी विकास को बढ़ावा दिया है। अर्थव्यवस्था के तेजी से डिजिटलीकरण और सामाजिक स्तर पर इसकी स्वीकृति ने एक नई क्षमता को उजागर किया है, जिसने उच्च विकास के लिए नए रास्ते बनाए हैं।

राष्ट्रपति ने बताया कि भारत अपने उत्कृष्ट विनिर्माण अनुभव, उच्च गुणवत्ता वाली प्रतिभा और अत्याधुनिक उन्नत तकनीकी उपलब्धियों का लाभ उठाते हुए अपने वैश्विक जुड़ाव का विस्तार करने के मिशन पर है। उन्होंने कहा कि ऐसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं, जहां इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में अंतरराष्ट्रीय सहयोग भविष्य में विश्व को एक समृद्ध और सुरक्षित जगह बनाने के लिए बदलाव लाएगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के पास अंतरराष्ट्रीय बाजारों के साथ जुड़ने की विशिष्ट क्षमता है। स्वच्छ ऊर्जा को लेकर हमारी प्रतिबद्धता हमारे हरित विकास को संचालित कर रही है। भारत साल 2070 में शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है।

राष्ट्रपति ने इसका उल्लेख किया कि आईईटीएफ- 2023 में उभरती प्रौद्योगिकियों के 11 क्षेत्र शामिल हैं, जिनका हमारी अर्थव्यवस्था और समाज पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि तकनीक हमारे जीने के तरीके को बदलने जा रही है। उन्होंने कहा कि हमें सामाजिक परिवर्तन के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने का प्रयास करना चाहिए। कोई भी प्रौद्योगिकी जो खुद को लोगों के एक समूह तक सीमित रखती है, वह धीरे-धीरे खत्म हो जाएगी। दूसरी ओर, सामान्य लोगों के जीवन को सकारात्मक तरीके से बदलने वाली प्रौद्योगिकियां अपनी पकड़ बनाती हैं। भारत में विश्व के सबसे बड़े डिजिटलीकरण अभियान की व्यापक स्वीकृति समाज की ओर से लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाली तकनीकों को आसानी से अपनाने का एक प्रमुख उदाहरण है।

राष्ट्रपति ने इस पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की कि आईईटीएफ- 2023 में प्रकृति और विज्ञान के बीच सामंजस्य को बढ़ावा देने वाली इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकियों की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने का एक दृढ़ प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि मानव प्रतिभा का सर्वश्रेष्ठ उपयोग तब किया जाना चाहिए, जब वह प्रकृति का पोषण करने को लेकर उन्मुख हो। उन्होंने कहा कि अगर विज्ञान के ज्ञान को अध्यात्म की खोज के साथ जोड़ दिया जाए तो यह चमत्कार कर सकता है।

**Headline: India on mission to expand global engagement; AI to revolutionise healthcare: President**      Domain : theprint.in

Date : Feb 16, 2023

<https://thepoint.in/india/india-on-mission-to-expand-global-engagement-ai-to-revolutionise-healthcare-president/1376592/>

New Delhi: The engineering sector of India today is a “robust, multi-level, diversified segment of India’s industry, playing a critical role in driving growth, creating jobs, and boosting exports,” said Smt Droupadi Murmu, Hon’ble President of India while inaugurating the silver jubilee edition of the three-day International Engineering and Technology Fair (IETF), organized by Confederation of Indian Industry (CII), in collaboration with Finland Chamber of Commerce in India, NSIC, and government ministries in New Delhi.

“From highly sophisticated areas like defence, aerospace to manufacturing of mobile phones, India has been emerging as the most favoured destination,” added the Hon’ble President. She said that the policies adopted in the recent past have given fillip to an unprecedented inclusive growth and noted that the nation has significant potential to engage with the international market.

**Headline: India on mission to expand global engagement; AI to revolutionise healthcare: President**      Domain : eng.bharattimes.co.in

Date : Feb 16, 2023

<https://eng.bharattimes.co.in/ai-to-revolutionise-healthcare-india-on-mission-to-expand-global-engagement-president-murmu/>

New Delhi: The engineering sector of India today is a “robust, multi-level, diversified segment of India’s industry, playing a critical role in driving growth, creating jobs, and boosting exports,” said Smt Droupadi Murmu, Hon’ble President of India while inaugurating the silver jubilee edition of the three-day International Engineering and Technology Fair (IETF), organized by Confederation of Indian Industry (CII), in collaboration with Finland Chamber of Commerce in India, NSIC, and government ministries in New Delhi.

“From highly sophisticated areas like defence, aerospace to manufacturing of mobile phones, India has been emerging as the most favoured destination,” added the Hon’ble President. She said that the policies adopted in the recent past have given fillip to an unprecedented inclusive growth and noted that the nation has significant potential to engage with the international market.

**Headline: India on mission to expand global engagement; AI to revolutionise healthcare: Presiden**      Domain : [www.etvbharat.com](http://www.etvbharat.com)

Date : Feb 16, 2023

<https://www.etvbharat.com/english/national/state/telangana/spiritualism-and-science-must-work-in-tandem-can-do-wonders-president-droupadi-murmu/na20230216170942423423263>

New Delhi: The engineering sector of India today is a “robust, multi-level, diversified segment of India’s industry, playing a critical role in driving growth, creating jobs, and boosting exports,” said Smt Droupadi Murmu, Hon’ble President of India while inaugurating the silver jubilee edition of the three-day International Engineering and Technology Fair (IETF), organized by Confederation of Indian Industry (CII), in collaboration with Finland Chamber of Commerce in India, NSIC, and government ministries in New Delhi.

“From highly sophisticated areas like defence, aerospace to manufacturing of mobile phones, India has been emerging as the most favoured destination,” added the Hon’ble President. She said that the policies adopted in the recent past have given fillip to an unprecedented inclusive growth and noted that the nation has significant potential to engage with the international market.

Headline: समुद्र में महत्वपूर्ण मिनरल्स के भंडार की तलाश में जुटी सरकार: सचिव Domain : Business Standard Hindi

Date : Feb 17, 2023

<https://hindi.business-standard.com/india-news/government-engaged-in-search-of-reserves-of-important-minerals-in-the-sea-secretary>

खान मंत्रालय (Ministry of Mines) में सचिव विवेक भारद्वाज ने शुक्रवार को कहा कि सरकार निकेल जैसे खनिजों (Minerals) के भंडार की समुद्री क्षेत्र में तलाश में जुटी हुई है और आगे चलकर इन भंडारों की बिक्री भी की जाएगी।

खान मंत्रालय ने अपतटीय क्षेत्र खनिज विकास एवं नियमन अधिनियम, 2002 में संशोधन के लिए हितधारकों से इस पर राय मांगी है।

भारद्वाज ने यहां उद्योग मंडल सीआईआई के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'महत्वपूर्ण खनिजों के अधिक महत्वपूर्ण होते जाने से ऐसी सोच ने जन्म लिया है कि हम समुद्री क्षेत्र में इनका खनन क्यों नहीं कर रहे। दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम समुद्री खनिज का खनन नहीं कर पा रहे हैं। अब हम इस कानून को संशोधित कर रहे हैं और इस बारे में सभी हितधारक अपनी राय दे सकते हैं।'

उन्होंने कहा कि खान मंत्रालय समुद्री इलाके में महत्वपूर्ण खनिजों को चिह्नित करने की प्रक्रिया में लगा हुआ है। इस प्रक्रिया में किसी अन्य पक्ष के हितधारक नहीं होने से भारत सरकार इस खनिज भंडार की नीलामी करेगी।

खान सचिव ने इसे उद्योग जगत के लिए एक बड़ा मौका बताते हुए कहा, 'यह एकदम अलग तरह का कारोबारी परिचालन होगा।'

तांबा, लिथियम, निकेल, कोबाल्ट एवं दुर्लभ पृथ्वी तत्वों जैसे महत्वपूर्ण खनिज आज की स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी वाले दौर में बेहद जरूरी घटक हैं। इनका इस्तेमाल पवन चक्कियों से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों तक में होता है।

भारद्वाज ने कहा कि एल्युमिनियम एवं अन्य धातुओं की रिसाइक्लिंग (दोबारा इस्तेमाल) भारत को आत्म-निर्भर बनने के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने उद्योग जगत से 'रिसाइक्लिंग' गतिविधियों में भी शामिल होने का अनुरोध किया।

Headline: सामाजिक परिवर्तन के लिए प्रौद्योगिकी  
के उपयोग का प्रयास करना चाहिए : राष्ट्रपति

Domain : The Print (Hindi)

Date : Feb 16, 2023

<https://hindi.theprint.in/india/economy/efforts-should-be-made-to-use-technology-for-social-change-president-2/474018/>

नयी दिल्ली, 16 फरवरी (भाषा) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत अपनी उत्कृष्ट विनिर्माण क्षमताओं, उच्च गुणवत्ता वाली प्रतिभा और अत्याधुनिक उन्नत प्रौद्योगिकी के बल पर वैश्विक जुड़ाव का विस्तार करने के मिशन पर है। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में अंतरराष्ट्रीय सहयोग भविष्य में विश्व को एक समृद्ध और सुरक्षित जगह बनाने में बदलाव लाएगा।

अंतरराष्ट्रीय इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी मेला (आईईटीएफ) 2023 का उद्घाटन करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, " इसमें कोई संदेह नहीं है कि तकनीक हमारे जीने के तरीके को बदलने जा रही है। हमें सामाजिक परिवर्तन के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने का प्रयास करना चाहिए।' '

उन्होंने कहा कि कोई भी प्रौद्योगिकी जो खुद को लोगों के एक समूह तक सीमित रखती है, वह धीरे-धीरे खत्म हो जाएगी, दूसरी ओर, सामान्य लोगों के जीवन को सकारात्मक तरीके से बदलने वाली प्रौद्योगिकियां अपनी पकड़ बनाती हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत में विश्व के सबसे बड़े डिजिटलीकरण अभियान की व्यापक स्वीकार्यता समाज की ओर से लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाली तकनीकों को आसानी से अपनाने का एक प्रमुख उदाहरण है।

मुर्मू ने बताया कि भारत अपने उत्कृष्ट विनिर्माण अनुभव, उच्च गुणवत्ता वाली प्रतिभा और अत्याधुनिक उन्नत तकनीकी उपलब्धियों का लाभ उठाते हुए अपने वैश्विक जुड़ाव का विस्तार करने के मिशन पर है।

उन्होंने कहा कि ऐसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं, जहां इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में अंतरराष्ट्रीय सहयोग भविष्य में विश्व को एक समृद्ध और सुरक्षित जगह बनाने के लिए बदलाव लाएगा।

राष्ट्रपति ने कहा, " भारत के पास अंतरराष्ट्रीय बाजारों के साथ जुड़ने की विशिष्ट क्षमता है। स्वच्छ ऊर्जा को लेकर हमारी प्रतिबद्धता हमारे हरित विकास को संचालित कर रही है। भारत साल 2070 में शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है।' '

अंतरराष्ट्रीय इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी मेला (आईईटीएफ) 2023 16-18 फरवरी तक प्रगति मैदान में आयोजित किया जा रहा है। मुर्मू ने कहा कि पहले आईईटीएफ के बाद से पिछले 48 वर्षों में भारत ने एक लंबी यात्रा की है और इस अवधि के दौरान इंजीनियरिंग उद्योग ने नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है।

उन्होंने कहा कि आज यह भारत के उद्योग का एक ठोस, बहु-स्तरीय व विविध हिस्सा है, जो विकास को आगे बढ़ाने, रोजगार सृजित करने और निर्यात को बढ़ावा देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।